सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 133 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 24 फरवरी 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

'संकल्प' का बजट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा में वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने मंगलवार को 2026-27 का बजट पेश किया। ज्ञान और गति के बाद वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने आज साय सरकार का तीसरा बजट संकल्प (Sankalp) की थीम पर प्रस्तुत किया। S - समावेशी विकास A, - अधोसंरचना, N - निवेश, K - कुशल मानव संसाधन, A - अन्त्योदय, L - लाइवलीहुड P - पॉलिसी से परिणाम तक। विधानसभा में बजट प्रस्तुत करने से पहले वित्तमंत्री चौधरी ने बंगले में स्थित मंदिर में पूजा अर्चना की। इस दौरान उनकी पत्नी अदिति चौधरी भी मौजूद रहीं। इसके बाद वित्तमंत्री ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से विधानसभा परिसर स्थित उनके कक्ष में वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट प्रस्तुत करने से पूर्व मुलाकात की। इस अवसर पर सीएम साय ने वित्त मंत्री को आगामी बजट के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह बजट प्रदेशवासियों की आकांक्षाओं को पूरा करने वाला और छत्तीसगढ़ के समग्र विकास को नई दिशा देने वाला सिद्ध होगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सरकार की जनकल्याणकारी प्राथमिकताओं, सुशासन और समावेशी विकास के संकल्प को यह बजट और अधिक सशक्त आधार प्रदान करेगा। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, अरुण साव सहित मंत्रिपरिषद के सभी मंत्रीगण और वित्त सचिव मुकेश बंसल उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ विधानसभा में मंगलवार को वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने 1 लाख 72 हजार करोड़ का बजट कुल बजट प्रस्तुत किया। बजट के संकल्प थीम के अनुसार कुल 7 बिंदुओं को केन्द्र में रखकर इस बार का बजट तैयार किया गया है। वित्तमंत्री ने सभी सात बिंदुओं के आधार पर बजट प्रस्तुत किया। जशपुर व बस्तर विकास प्राधिकरण के लिए सरकार ने अपना पिटारा खोला है। बालिकाओं के लिए सरकार नई योजना शुरू करने जा रही है। वित्तमंत्री ने बताया कि रानी दुर्गावती के नाम पर इस योजना का नाम रखा गया है। इसके तहत बालिकाओं को 18 वर्ष की आयु पूरा करने पर डेढ़ लाख रुपए दिए जाएंगे।

172000 करोड़ के बजट में यह है प्रमुख घोषणाएं

- औद्योगिक विकास के लिए 100 करोड़ रुपए का प्रावधान
- मुख्यमंत्री बस सेवा योजना के लिए 10 करोड़ रुपए का प्रावधान
- बस्तर एवं सरगुजा ओलंपिक्स के लिए 22 करोड़ रुपए का प्रावधान
- 1,500 बस्तर फाइटर्स के पदों का सृजन
- बस्तर नेट परियोजना हेतु 5 करोड़ रुपए स्वीकृत
- बस्तर एवं सरगुजा विकास प्राधिकरण के लिए 75-75 करोड़ रुपए का प्रावधान
- बस्तर और सरगुजा में पशुपालन गतिविधियों के लिए 15 रुपए करोड़ का प्रावधान
- अबूझमाड़ और जगरगुंडा में एजुकेशन सिटी निर्माण के लिए 100 करोड़ रुपए
- मैनपाट के पर्यटन विकास के लिए 5 करोड़ रुपए का प्रावधान

2026-27 के बजट में वित्तमंत्री की अहम घोषणाएं, स्वास्थ्य शिक्षा सहित किसान व उद्योगों के विकास पर फोकस

छत्तीसगढ़ में बनेंगे पांच मेडिकल कॉलेज

छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि स्वस्थ छत्तीसगढ़ के संकल्प से विकसित छत्तीसगढ़ का लक्ष्य सिद्ध होगा। चौधरी ने कहा कि बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में बड़ा कदम है। दंतेवाड़ा, मनेंद्रगढ़, कबीरधाम, जांजगीर-चांपा और कुनकुरी में मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जाएंगे। इसके अलावा रायपुर के कालीबाड़ी में 200 बिस्तरों वाला एमसीएच और चिरमिरी में जिला अस्पताल के निर्माण का प्रावधान किया गया है।

23 नए औद्योगिक पार्क

वित्तमंत्री ने कहा कि राज्य में 23 नए औद्योगिक पार्क स्थापित किए जाएंगे। इसके लिए 250 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा गया है। वित्तमंत्री ने कहा कि इससे निवेश और रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा। वित्तमंत्री उद्योगों के बजट में तीन गुना वृद्धि की गई है। वहीं अनुदान के लिए 750 करोड़ का प्रावधान है। उधोग विभाग का बजट पहले 248 करोड़ था अब 775 करोड़ हो गया है। खनिज ऑनलाइन 2.2 के लिए 35 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री आदर्श शहर समृद्धि योजना

मुख्यमंत्री आदर्श शहर समृद्धि योजना लागू होगी 200 करोड़ बजट का प्रावधान रखा गया है। शहीद वीरनारायण सिंह आयुष्मान योजना के माध्यम से सरकार और गैर सरकारी अस्पतालों में इलाज के लिए 5 लाख रुपए तक की इलाज के लिए डेढ़ हजार करोड़ का प्रावधान किया गया है। यह योजना पूर्व से संचालित योजनाओं का अपग्रेड रूप होगा। इसके साथ ही प्रदेश में 5 नालंदा लाइब्रेरी के लिए 22 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

माताओं और बच्चों के लिए घोषणाएं

वित्तमंत्री ने बताया कि महतारी वंदन योजना के लिए 8,200 करोड़ का प्रावधान किया गया है। सक्षम आंगनबाड़ी एवं पोषण के लिए 2,320 करोड़ का प्रावधान किया गया है। पोषण, खेल, परिवहन, आजीविका और रोजगार के लिए विशेष प्रावधान किया गया है। दुर्ग, जशपुर, रायपुर, बलौदाबाजार और रायगढ़ स्थित 5 सरकारी महाविद्यालयों में उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना के लिए 15 करोड़ का प्रावधान किया गया है। वहीं राज्य के विश्वविद्यालयों को अनुदान के लिए 731 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है।

बजट की प्रमुख घोषणाएं व वित्तीय प्रावधान

- 5 प्रमुख शहरों के एयरपोर्ट पर शोरूम खोले जाएंगे।
- नमक के लिए 1 हजार करोड़ का प्रावधान
- पेंशन के लिए 1400 करोड़
- सयानगुडी को प्रदेश भर में विकसित किया जाएगा, 5 हजार करोड़ का प्रावधान
- रायपुर मठपुरैना दृष्टिबाधित शाला के लए 2 करोड़ 50 लाख
- नशा मुक्ति केंद्रों के संचालन के लिए 20 करोड़
- अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए हॉस्टल-स्कूल निर्माण का अनुदान
- ओबीसी छात्राओं के लिए 200 सीट का छात्रावास रायपुर में बनेगा
- अन्य पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकारण के लिए 80 करोड़
- भूमिहीन कृषि परिवारों के लिए 600 करोड़
- कृषक उन्नति योजना के लिए 10 हजार करोड़
- मार्कफेड को 6 हजार करोड़ का प्रावधान
- नेचुरल फॉर्मिंग के लिए 40 करोड़
- कृषि पंपों के लिए 5500 करोड़
- रायपुर के कालीबाड़ी में 200 बिस्तरों वाला स्ह॥ (मदर चाइल्ड हॉस्पिटल) और चिरमिरी में जिला अस्पताल के निर्माण का प्रावधान
- डेयरी समग्र विकास योजना प्रारंभ 90 करोड़
- शिल्पकारों को राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों में शामिल करवाने के लिए वित्तीय सहयोग देगी सरकार
- उपहार प्लेटफार्म के लिए 25 करोड़ का प्रावधान
- 50 लाख तक के काम की एजेंसी ग्राम सभाए रहेगी।
- प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत 1700 करोड़ का प्रावधान।
- बस्तर और सरगुजा में आजीविका के लिए अलाइट, कृषि, एग्रो फॉरेस्ट प्रोसेसिंग जैसे रोजगार आधारित सेक्टर के लिए राइस मिल , पोट्री फॉर्म जैसे उद्योगों के लिए 100 करोड़ के निवेश का प्रावधान किया गया है।
- 250 महतारी सदन बनेंगे, 75 करोड़ का प्रावधान
- मैनपाट और जशपुर के कोतेबेरा में पर्यटन स्थल के लिए प्रावधान
- रायपुर में खाद लैब का निर्माण
- कांकेर, कोरबा, महासमुंद में नर्सिंग कॉलेज बनेंगे
- मेकाहारा में एआई के उपयोग किया जाएगा, 10 करोड़ का प्रावधान
- मितानिन कल्याण निधि के लिए 350 करोड़
- प्रदेश 250 महतारी सदन बनेंगे, 75 करोड़ का प्रावधान
- मुख्यमंत्री लखपति दीदी भ्रमण योजना लागू होगी
- बस्तर और सरगुजा में डॉक्टरों की भर्ती होगी। बस्तर और सरगुजा में रोड नेटवर्क कनेक्टिविटी से जोड़ने के लिए प्रावधान
- इंद्रावती बैराज बनाने 68 करोड़ का प्रावधान
- इंद्रावती में मटनार और देउरगांव में 24 करोड़ की लागत से बैराज निर्माण। नवा रायपुर -राजनांदगांव में इंडस्ट्रिएल कॉप्लेक्स।

प्रदेश के विकास को नई गति देगा बजट : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए प्रस्तुत किए जा रहे राज्य के बजट को प्रदेश के समग्र विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि नवीन विधानसभा भवन में प्रस्तुत होने जा रहा हमारी सरकार का यह तीसरा बजट विकसित और समृद्ध छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए सरकार के विज़न को नई मजबूती प्रदान करेगा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार का यह बजट समावेशी विकास, सुशासन और जनकल्याण के संकल्प को आगे बढ़ाने वाला होगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह बजट प्रदेश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के साथ-साथ आमजन के जीवन स्तर में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय संकल्प को केंद्र में रखते हुए छत्तीसगढ़ सरकार विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। किसानों, गरीबों, युवाओं, मातृशक्ति और आदिवासी समाज के सशक्तीकरण को सरकार ने सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। राज्य सरकार की विभिन्न योजनाएं समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से संचालित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि वित्त वर्ष 2026-27 का यह बजट प्रदेश के सुशासन से समृद्धि मॉडल को मजबूत आधार प्रदान करेगा और विकास की गति को और तेज करेगा। यह बजट राज्य के बुनियादी ढांचे, रोजगार सृजन, कृषि उन्नयन, सामाजिक सुरक्षा तथा मानव संसाधन विकास को नई दिशा देगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार विकसित छत्तीसगढ़ बनाने के अपने संकल्प पर दृढ़ है और यह बजट उस दिशा में एक मील का पत्थर सिद्ध होगा।

संपादकीय

भेदभाव की बीमार सोच

शर्मसार करता है पूर्वोत्तर के लोगों से दुर्व्यवहार

यह कोई नई बात नहीं है कि पूर्वोत्तर भारत के लोगों के साथ उनकी कद-काठी व संस्कृति को लेकर कहीं शेष देश में अभद्रता की गई हो। यहां तक कि एक बार तो पूर्वोत्तर के एक मुख्यमंत्री प्रेस वार्ता में यह कहते रो पड़े थे कि उन्हें भारतीय तक नहीं समझा जाता है। बीते साल मई में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्वोत्तर को 'हमारे विविधता के राष्ट्र में सबसे विशिष्ट क्षेत्र' बताया था। लेकिन अफसोस की बात यह है कि बार-बार भारत के इस विशिष्टता वाले पूर्वोत्तर को तरह-तरह से लांछित किया जाता रहा है। विडंबना है कि इन राज्यों के लोग अक्सर नस्लीय भेदभाव का शिकार होते रहे हैं। कुछ समय पूर्व देहरादून में त्रिपुरा के छात्र अंजेल चकमा की हत्या कर दी गई थी। इस घटना के दो महीने से भी कम समय बाद, दिल्ली में अरुणाचल प्रदेश की तीन महिलाओं को उनके पड़ोसियों ने कुत्सित शब्द 'धंधेवाली' से संबोधित किया और मोमो बेचने को कहा। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि उन्हें अपने ही देश में, और वह भी देश की राष्ट्रीय राजधानी में बेगाना करार दे दिया गया। विडंबना यह है कि यह अभद्रता किसी झगड़े या आवेश की प्रतिक्रिया नहीं थी बल्कि यह पहचान और जातीयता पर लक्षित हमला था। इस घटनाक्रम के बाद एक व्यक्ति और उसकी पत्नी पर धर्म, जाति व जन्मस्थान आदि के आधार पर कटुता फैलाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। इसके अलावा अन्य आरोप भी लगाए गए हैं। निस्संदेह, इस दंपति के आपत्तिजनक व्यवहार ने एक गहरे जख्म को ही उजागर किया है, जो 'सबका साथ, सबका विकास' की अवधारणा को सिरे से खारिज करने वाली सोच है। साल 2014 में नीदो तानिया की हत्या से लेकर 2025 में अंजेल चकमा की हत्या तक, यह दुराग्रहों का सिलसिला साफ नजर आता है। अक्सर आरोप लगाये जाते रहे हैं कि पूर्वोत्तर के छात्रों व श्रमिकों को उनकी शारीरिक बनावट, खान-पान और भाषा के आधार पर निशाना बनाया जाता है। यह विडंबना ही है कि कुछ संकीर्ण लोग भारत की समृद्ध विविधता की विरासत का मर्म नहीं पहचानते हैं। किसी राज्य की भौगोलिक स्थिति, जलवायु व सदियों से चली आ रही संस्कृति हमारे रूप-रंग-भाषा व व्यवहार का निर्धारण करती है। कोस-कोस पर भाषा-पानी बदलने वाले देश की यह विविधता इसकी खूबसूरती भी है। इसके मर्म का सम्मान करना व अंगीकार करना हर भारतीय का दायित्व भी है। पर्वतीय इलाकों का परिवेश व जलवायु व्यक्ति के सरल, सहज, सौम्य व्यवहार व कद-काठी का भी निर्धारण करती है। पूर्वोत्तर समाज में स्त्री प्रधान पारिवारिक व्यवस्था तथा सार्वजनिक जीवन में उसकी महती भूमिका को शेष देश के लोगों द्वारा संशय से देखा जाता है। फलत: परस्पर विश्वास की इस सामाजिक व्यवस्था में स्त्री की भूमिका को लेकर नकारात्मक धारणाएं गढ़ ली जाती हैं। यही वजह है कि पूर्वोत्तर के लोगों द्वारा आरोप लगाया जाता कि उनकी महिलाओं को शक की नजर से देखा जाता है और उन पर बिना किसी आधार के अनैतिक गतिविधियों में शामिल होने के आरोप तक लगाए जाते हैं। देश के सर्वोच्च न्यायालय ने भी क्षेत्रीय पहचान को लेकर किए जाने वाले किसी भेदभाव के प्रति अक्सर चेताया है। निस्संदेह, कालांतर में पैदा होने वाली नस्लीय शत्रुता इस घटनाक्रम का ही एक घिनौना रूप है। हाल ही के दिल्ली प्रकरण में सबसे दुर्भाग्यपूर्ण पक्ष है सामाजिक श्रेष्ठता का दावा करना, किसी बड़े राजनेता से संबंध होने का रौब दिखाना और दूसरे को कमतर मान कथित 'औकात' के नाम पर उपहास करना। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि यह विशेषाधिकार जताने की भावना और गलत धारणा दर्शाती है कि कुछ भारतीय खुद को दूसरे भारतीयों से श्रेष्ठ मानने का भ्रम पाले हुए हैं। दिल्ली की घटना की तीन पीड़ितों के वकील, जो सिक्किम से आते हैं, ने दो टूक शब्दों में कहा है- 'हम भी उतने ही भारतीय हैं, जितने कोई और।' निर्विवाद रूप से प्रत्येक भारतीय को देश में कहीं भी गरिमापूर्ण जीवन जीने का अधिकार है। शासन-प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित करना कि किसी भी नागरिक को इस अधिकार से वंचित न किया जा सके, सही मायनों में भारत में बहुलवाद की वास्तविक परीक्षा भी है।

> "कुछ समय पूर्व देहरादून में त्रिपुरा के छात्र अंजेल चकमा की हत्या कर दी गई थी। इस घटना के दो महीने से भी कम समय बाद, दिल्ली में अरुणाचल प्रदेश की तीन महिलाओं को उनके पड़ोसियों ने कुत्सित शब्द 'धंधेवाली' से संबोधित किया और मोमो बेचने को कहा। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि उन्हें अपने ही देश में, और वह भी देश की राष्ट्रीय राजधानी में बेगाना करार दे दिया गया। विडंबना यह है कि यह अभद्रता किसी झगड़े या आवेश की प्रतिक्रिया नहीं थी बल्कि यह पहचान और जातीयता पर लक्षित हमला था।

संज्ञानात्मक युद्ध : दांवपेच का सातवां रणक्षेत्र

शमशेर सिंह मेहता

मेघना नदी दस्तावेज की तार्किक सीख है कि भारत का संवैधानिक प्रारूप एक राजनीतिक विकल्प से कहीं अधिक है। यह संज्ञानात्मक लचीलेपन के लिए एक रणनीतिक संपत्ति है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और कृत्रिम नैरेटिव के युग में, हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था एक परम 'वितरित रक्षा' के रूप में कार्य करती है।

युद्ध का शब्दिक अर्थ अपनी परिभाषा से बाहर निकल चुका है। सदियों से, शक्ति का माप हल की नोक और युद्धपोत के पीछे बनने वाली लहरों से किया जाता रहा है। रणनीति ने भूमि, समुद्र, वायु, शांत गहराइयों, अंतरिक्ष के निर्वात और साइबर ग्रिड की टिमटिमाती शिराओं का मानचित्रण कर लिया है। आज एक सातवें कार्यक्षेत्र (डोमेन) ने चुपचाप रणनीति की धुरी को हर लिया है। एक अनुभूति : सबसे अंतरंग और सबसे व्यापक।

यह बदलाव अब और अधिक सैद्धांतिक नहीं रहा। पूर्वी यूरोप से लेकर पश्चिम एशिया तक और हमारी अपनी विवादित सीमाओं पर, युद्ध का दायरा पहले ही विस्तृत हो चुका है। प्रभाव अभियान अब प्रत्यक्ष कार्रवाई से पहले, उसके साथ और उसके बाद तक जारी रहता है। केंद्र बिंदु अब मंचों से धारणा की तरफ सरक रहा है, केवल मारक क्षमता से हटकर एकजुटता कायम रखने वाला समाज ही तनाव के दौरान बचा रह सकता है।

आधुनिक युद्धक्षेत्रों में, नैरेटिव की गति, सूचनागत आघात और सामाजिक लचीलेपन के जरिए परिणाम निरंतर आकार लेते जा रहे हैं। धारणा ने अब ओओडीए लूप्स, एस्केलेशन थ्रेशोल्ड और राजनीतिक निर्णय चक्रों को इस प्रकार संकुचित कर दिया है, जिसका अनुमान परंपरागत सिद्धांत पूरी तरह लगा नहीं पाए।

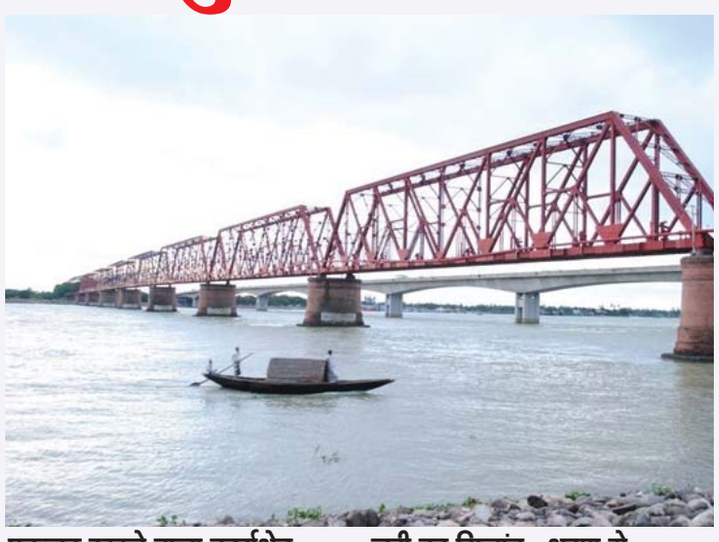

एकजुट रखने वाला कार्यक्षेत्र राष्ट्र शक्ति का शून्य-

शून्य, भारतीय सभ्यता का एक योगदान, गणित में वह मूक गुणांक है जो पैमाना बनाता है। किसी राष्ट्र की संरचना में सामाजिक सामंजस्य वही बुनियादी भूमिका निभाता है। इस शून्य के बिना, शक्ति का अंकगणित अस्थिर हो जाता है। इसके बगैर, सबसे उन्नत गतिज ताकतें, मिसाइलें, उपग्रह और विमान वाहक बेड़े तक भी आकर्षण खो देते हैं। जब सामाजिक विश्वास भंग हो जाए, तो सैन्य क्षमता थम जाती है। जब दोनों एकीकृत हो जाएं, तो राष्ट्रीय शक्ति अधिक वेग से आगे बढ़ती है।

इसलिए संज्ञान आधुनिक युद्धों में जोड़ने वाले डोमेन के रूप में उभरा है। इसकी एक सतह पर लोगों में एकता निहित है; दूसरी सतह पर युद्ध के छह पारंपरिक माध्यम संचालित होते हैं। प्रत्येक स्वतंत्र रूप से कार्य कर सकता है, लेकिन उनकी असली क्षमता एकीकरण में निहित है। सातवें कार्यक्षेत्र में एकता वह जोड़ने वाला पदार्थ है जो सबको थामे रखता है।

नदी का सिद्धांत : क्षरण से घेराबंदी तक

भारत ने 1971 के युद्ध में इस गतिशीलता का आरंभिक प्रदर्शन देख लिया था। 'मेघना क्रॉसिंग', एक दुस्साहसिक नदी पारीय अभियान, जिसने ढाका के लिए राह खोल दी, इसने बलों की तैनाती से कहीं अधिक किया। इसने प्रतिद्वंद्वी की अपरिहार्यता की धारणा को बदलकर रख दिया। जलीय बाधा के तर्क ने आगे बढ़ने की संभावना को खारिज कर रखा था, लेकिन वायुसैन्य प्रहारों और बख्तरबंद दस्तों वाले अभियान ने संज्ञानात्मक अनुभूति आघात दिया। प्रतिद्वंद्वी के पास गोला-बारूद खत्म नहीं हुआ था; बल्कि लड़ने की इच्छाशक्ति उखड़ गई थी। इस संज्ञानात्मक आघात ने आत्मसमर्पण गति को तीव्रता दी।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में, 'मेघना सिद्धांत' पुन: तीव्र प्रासंगिकता प्राप्त कर गया है। सातवें डोमेन में, उद्देश्य संज्ञानात्मक घेराबंदी बनाना है: प्रतिद्वंद्वी द्वारा भंग करने से कहीं पहले, अपने प्रणालीगत संतुलन की संभाल लेना। यह लाभ संकट के दौरान कभी भी सुधारा नहीं जा सकता; इसे युद्धों के बीच के काल में निरंतर, कल्पनाशील प्रशिक्षण के माध्यम से ढालना पड़ता है।

भारत की संरचनात्मक उत्कृष्ट कृति : वितरित लचीलापन : अधिकांश आधुनिक शक्तियां किले जैसी हैं, केंद्रीकृत, भव्य, और अक्सर भंगुर। भारत अलग ढंग से विकसित हुआ है। यह एक जीवंत नेटवर्क के रूप में कार्य करता है। संविधान की प्रस्तावना सोर्स कोड के रूप में कार्य करती है। बहुलवाद उच्च स्तरीय झटका-अवशोषक के रूप में कार्य करता है। 'अनेकता में एकता' महज बयानबाजी के रूप में नहीं बल्कि वितरित रक्षा व्यवस्था के रूप में कार्य करती है।

चुनावी मंथन, भाषाई बहुलता और संघीय जटिलता गणतंत्र पर बार-बार दबाव डालकर इसका इम्तिहान लेती है। रणनीतिक गहराई उस संचित अनुभव से बनी है। 1.4 अरब अलग-अलग स्वरों का एक देश, जो लोकतांत्रिक सहमति से जुड़ा हुआ है, वह सूचनात्मक झटकों का असामान्य रूप से शक्तिशाली अवशोषक बन जाता है। वह शक्ति जो सामाजिक रूप से स्थिर नहीं होती, वह रणनीतिक रूप से नाजुक हो जाती है। 1962 के बाद का हर युद्ध इस सहनशक्ति का गवाह है।

एआई का दौर और डिजिटल ढांचा : कृत्रिम बुद्धिमत्ता धारणा और प्रतिक्रिया के बीच अंतराल को कम कर रही है। ऐसे माहौल में विश्वसनीयता खुद-ब-खुद युद्धक शक्ति का एक रूप बन जाती है। ड्रोन एक हवाई मशीन है, संज्ञान माध्यम है। भारत का डिजिटल सार्वजनिक आधारभूत ढांचा जनता के स्तर पर विश्वास निर्माण हेतु पहले से बना बनाया सांचा प्रदान करता है। सही ढंग से संचालित, ऐसे मंच सुनिश्चित कर सकते हैं कि धारणा और सत्यापन योग्य वास्तविकता के बीच अंतर खतरनाक रूप से न बढ़ने पाए।

यूक्रेन - एक तनाव परीक्षा : यूक्रेन-रूस संघर्ष सातवें डोमेन का तनाव के दौरान गहराई से परीक्षा का अवसर प्रदान करता है। सालों से जारी युद्ध में, अकेले युद्धक्षेत्र प्रदर्शन ने रणनीतिक सहनशीलता का निर्धारण नहीं किया है। नैरेटिव सुसंगतता, आर्थिक सहनशक्ति और राजनीतिक वैधता परंपरा को जारी रखे हुए है। जो चीज़ लगातार दिखाई दे रही है, वह है लंबे समय से तनाव के बीच भी सामाजिक एकता की धुरी कायम रहना। जो राष्ट्र आंतरिक विश्वास बनाए रखेंगे, वे उद्देश्य पर लंबे समय तक टिके रह सकते हैं; जहां पर परस्पर भरोसा खंडित हो जाए, वहां पर रणनीतिक हानि जमा होती जाती है। अपने स्थापना काल से ही, भारत ने 'वी द पीपल' (हम लोग) को मूल में रखा है और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी नागरिक समरसता को क्रियान्वित किया है। सातवें डोमेन में, सहनशक्ति का प्रवाह न केवल मारक क्षमता से बनता है, बल्कि इसके पीछे मौजूद एकजुटता से तैयार होता है।

लंबे युद्ध की हकीकत : आधुनिक संघर्ष एक गतिज कृत्य होने के बजाए लंबे खिंचने वाले प्रणालीगत द्वंद्व में बदल चुका है। विस्तारित लड़ाइयों में, जो पक्ष सीखने के चक्र में महारत हासिल कर लेता है वह दिशा निर्धारित करता है, लेकिन सहनशक्ति उसी देश में प्रवाहित होगी, जो अपने नैतिक एवं संस्थागत आधार को संरक्षित रख पाएगा। जीत अब एकमात्र सफलता नहीं रह गई है। समय और दूरी से परे, यह निर्णयगत लाभ को सतत रखना हो गया। अंतत: समरूपता : आखिरकार, सातवां डोमेन किसी राष्ट्र की आंतरिक स्थिति को दर्शाता है। कृत्रिम नैरेटिव्स और कृत्रिम प्रचार के युग में, लाभ उस समाज को होगा जो निरंतर तनाव के बीच एकजुटता कायम रखेगा।

लेखक सेना की पश्चिमी कमान के पूर्व कमांडर एवं पुणे इंटरनेशनल सेंटर के संस्थापक ट्रस्टी हैं।

मनेंद्रगढ़ में विकसित भारत की दस्तक

151 आजीविका डबरियों से जल सुरक्षा और 125 दिन रोजगार की गारंटी.....

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंकिता सोम के मार्गदर्शन में जनपद पंचायत मनेंद्रगढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायतों में ग्रामीण विकास की तस्वीर तेजी से बदल रही है। क्षेत्र की विभिन्न पंचायतों में कुल 151 नग आजीविका डबरी निर्माण कार्य स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें अधिकांश कार्य प्रगति पर हैं।

इन कार्यों को अब विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025 की भावना से जोड़ा गया है, जिसका मूल मंत्र है। सम्मान की रोटी, हक का रोजगार - 125 दिन काम, सबका अधिकार।

अधिनियम के तहत ग्रामीण परिवारों को 125 दिनों का रोजगार सुनिश्चित किया जा रहा है। यदि पात्र परिवार को समय पर काम उपलब्ध नहीं होता है तो बेरोजगारी भत्ते का प्रावधान भी किया गया है।

समयबद्ध मजदूरी भुगतान और देरी की स्थिति में मुआवजे की व्यवस्था से पारदर्शिता एवं विश्वास में वृद्धि हुई है।

पहले सीमित रोजगार दिवसों के कारण परिवारों को आर्थिक चुनौतियों का सामना करना पड़ता था, वहीं अब अतिरिक्त कार्य दिवसों से वर्षभर रोजगार की बेहतर उपलब्धता सुनिश्चित हो रही है।

डबरी से आजीविका, जल सुरक्षा और आय वृद्धि

पात्र ग्रामीणों को उनकी स्वयं की भूमि पर डबरी निर्माण की स्वीकृति दी जा रही है। इसे दोहरा लाभ मिल रहा है।

भविष्य में मत्स्य पालन, सब्जी उत्पादन, बाड़ी विकास, पशुपालन एवं सिंचाई हेतु स्थायी जल स्रोत कई गांवों में जहां वर्षा के बाद खेत सूख जाते थे और रबी फसल संभव नहीं हो पाती थी, वहां अब डबरी के पानी से सब्जी उत्पादन प्रारंभ हो चुका है। इससे किसानों की आय में वृद्धि एवं जीवन स्तर में सुधार परिलक्षित हो रहा है।

जल संरक्षण और जलवायु अनुकूल विकास

डबरी निर्माण के माध्यम से- वर्षा जल संचयन, भूजल पुनर्भरण, सिंचाई क्षमता में वृद्धि, ढलान वाली भूमि पर जल प्रवाह नियंत्रण, मिट्टी की उर्वरता में सुधार हुआ है। गर्मी के दिनों में पेयजल संकट झेलने वाले गांवों में अब जल स्रोतों के पुनर्जीवन एवं वाटरशेड विकास कार्यों से सकारात्मक परिवर्तन की उम्मीद जगी है। वनीकरण गतिविधियों के साथ यह पहल क्लाइमेट रेज़िलिएंस को भी सुदृढ़ कर रही है।

कन्वर्जेंस और सैचुरेशन आधारित योजना

विकसित ग्राम पंचायत योजना के माध्यम से मनरेगा, कृषि, उद्यानिकी, मत्स्य पालन एवं वन विभाग की योजनाओं का समन्वय किया जा रहा है। जहां डबरी बनी है, वहां कृषि विभाग की सलाह से सब्जी उत्पादन और मत्स्य विभाग के सहयोग से मछली पालन प्रारंभ कराया जा रहा है।

सैचुरेशन आधारित प्लानिंग के तहत लक्ष्य है कि पात्र प्रत्येक परिवार तक योजनाओं का लाभ पहुंचे और कोई भी वंचित न रहे। सम्पूर्ण-सरकार दृष्टिकोण के माध्यम से ग्रामीण विकास के सभी घटकों को एक मंच पर जोड़कर प्रभावी और उत्तरदायी शासन सुनिश्चित किया जा रहा है। तकनीक आधारित पारदर्शिता, कार्यों की ऑनलाइन मॉनिटरिंग, भू-टैगिंग, डिजिटल भुगतान व्यवस्था, ग्राम सभा आधारित प्राथमिकता निर्धारण किया गया है।

इन उपायों से पारदर्शिता और जवाबदेही को सुदृढ़ किया गया है। पंचायतों को सर्कुलर इकॉनमी की दिशा में सक्षम बनाते हुए स्थानीय संसाधनों के स्थानीय उपयोग पर बल दिया जा रहा है। एम्पावरमेंट, ग्रोथ, कन्वर्जेंस और सैचुरेशन पर आधारित यह मॉडल मनेंद्रगढ़ में जमीनी परिवर्तन की मिसाल बनता जा रहा है। 151 आजीविका डबरियों से प्रारंभ हुआ यह अभियान जल सुरक्षा, स्थायी आजीविका और 125 दिन रोजगार की गारंटी के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे रहा है।

उचित दाम और गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए

इन्द्रजीत सिंह

कुछ दशकों से सार्वजनिक क्षेत्र, विश्वविद्यालय और बीज विकास संस्थानों को हाशिये पर रखकर नियमों को उदार करके निजी क्षेत्र के प्रवेश को सुगम बना दिया गया। कृषि मंत्रालय ने बीज संशोधन बिल 2025 का मसौदा जारी किया है, जिस पर 11 दिसंबर तक सार्वजनिक सुझाव मांगे गए थे। हमारे आसपास आज जो बीज हैं, उनकी विशेषताएं लाखों सालों के विकास से समुदायों ने अर्जित की हैं। बीज विज्ञान के प्रारंभ से पहले भी किसान अपनी निगाह से उन्नत किस्म के बीज तैयार करते थे, जिससे पैदावार अधिक होती थी। हालांकि, कृषि विज्ञान के विकास के बाद आधुनिक शोध ने बीज और उत्पादकता में महत्वपूर्ण प्रगति की है, फिर भी कुछ चुनौतियां बनी हुई हैं।

नि:संदेह, बीज के भीतर भी एक बीज होता है उसमें 'जीन कोड' होते हैं जो पौधे के गुणों और उसकी विशेषताओं को अगली पीढ़ी की फसल में ट्रांसफर करने का काम करते हैं। विभिन्न किस्मों के पौधों के मिश्रण से नई शंकर-हाइब्रिड किस्म निकाली जाती है। यह काम वैज्ञानिक लोग आधुनिक यंत्रों और तकनीक से करने लगे हैं जिसे 'जेनेटिक इंजीनियरिंग' कहते हैं। इससे पौधों की ऊंचाई, दाने या फल का आकार व रंग और भीतर के प्रोटीन आदि तत्व भी डाले जा सकते हैं। इस तकनीक से अगर खिलवाड़ की जाए तो उसके बहुत ही ख़तरनाक परिणाम भी निकल सकते हैं।

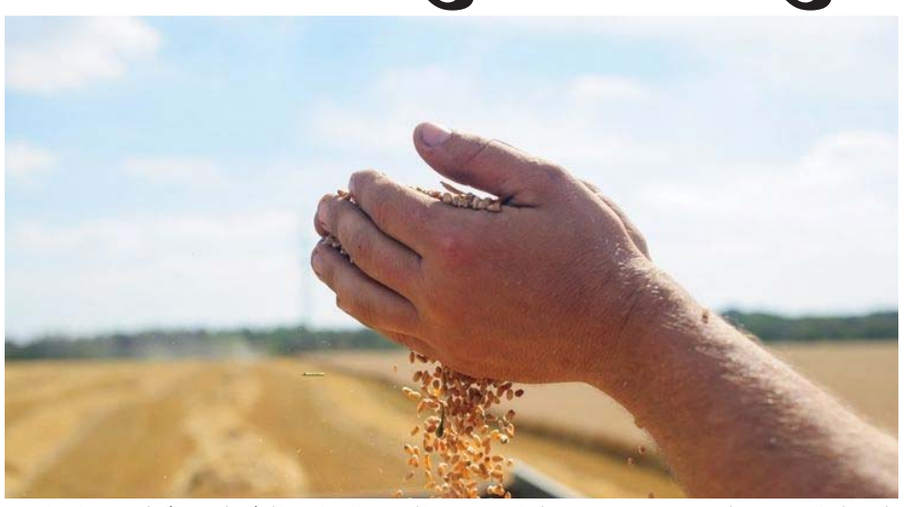

वर्ष 1960-65 की 'हरित क्रांति' उत्पादन के मामले में भारत ने जो आत्मनिर्भरता हासिल की, उसमें अधिक उपज देने वाली गेहूं, चावल की नई किस्में तैयार करने का अहम योगदान था। उस समय बीज, दवाई, उर्वरक आदि पर निजी कंपनियों का विशेष नियंत्रण नहीं था और ये तमाम प्रबंध सरकारी विभागों और कृषि विश्वविद्यालयों द्वारा ही किये गए थे। कृषि क्षेत्र में निजी पूंजी के प्रवेश के चलते और कृषि उपकरणों समेत बीज, दवाई आदि के मामले में देशी-विदेशी कंपनियों ने पैठ बना ली। सरकार किसानों के नाम पर जो सब्सिडी देती थी, उसका बड़ा हिस्सा इन्हीं कंपनियों के खाते में जाने लगा है।

हरित क्रांति के उपरांत बीज के क्षेत्र में निजी कंपनियों ने अपना वर्चस्व बनाना शुरू किया। अंधाधुंध मुनाफे के लिए ज्यादा उत्पादन के दावे किए गए। लेकिन कीट व बीमारी के प्रकोप बढ़ गए क्योंकि पुराने बीजों में जो कुदरती तौर पर प्रतिरोधी गुण बीजों ने ग्रहण किए थे उनका क्षरण होने लगा। प्राइवेट कंपनियों ने कीटनाशक दवाइयां बेचने के लिए इसे भी एक अवसर की तरह देखा। यहां बीटी कॉटन का उदाहरण सामने है। गुलाबी सुंडी की प्रतिरोधक क्षमता के दावे करके महंगे बीज बेचे गए और गुलाबी सुंडी से कपास उत्पादक किसानों की व्यापक बर्बादी हुई।

नि:संदेह, बहुस्तरीय और कई साल की ट्रायल के बाद ही बीज की नई किस्मों को स्वीकृति मिलती है। उसके बाद ही बीज को बेचे जाने की अनुमति मिल सकती है। बिक्री करने वाली कंपनी को विधिवत रजिस्ट्रेशन करवाना जरूरी है। लेकिन किसान अपने बचे हुए बीज को बेचने, बदलने, विकसित करने और उसे स्टाक करने के अधिकार भी रखता है। बीज नियमों के संचालन और निगरानी को लेकर बीज अधिनियम-1966 बना था, जिसके तहत ये आवश्यक प्रावधान हैं। क्वालिटी के बीज के दावे किए गए मापदंड, कंपनियां यदि पूरे न करें या उगने का प्रतिशत कम हो तो दंडात्मक कार्रवाई की जा सकती है।

बहरहाल, कुछ दशकों से सार्वजनिक क्षेत्र, विश्वविद्यालय और बीज विकास संस्थानों को हाशिये पर रखकर नियमों को उदार करके निजी क्षेत्र के प्रवेश को सुगम बना दिया गया। आज 70 प्रतिशत देशी-विदेशी बीज कंपनियां निजी क्षेत्र की बीज मार्केट पर काबिज हो चुकी हैं। 56 प्रतिशत बीज की मार्केट पर मात्र 4 बहुराष्ट्रीय कंपनियों का नियंत्रण है। किसानों को अब इन्हीं कंपनियों के रहमो-करम पर निर्भर रहना पड़ता है। होना तो यह चाहिए था है कि क्वालिटी बीज का शोध, उत्पादन, वितरण सस्ते दामों पर सुलभता से सार्वजनिक व सहकारिता क्षेत्र के माध्यम से ही किसान को सुनिश्चित किया जाता। लेकिन बीज बिल 2025 लाकर केंद्र सरकार बीज के विषय का अति केंद्रीयकरण करना चाहती है। इस मसौदे में एक राष्ट्रीय कमेटी बनाने का प्रावधान है, जिसमें 5-7 राज्यों के ही प्रतिनिधि होंगे और कोई भी मामला नीतिगत है या नहीं, इस पर केंद्र का निर्णय अंतिम होगा।

बिल के प्रस्तावित मसौदे में यदि कोई विदेशी बीज कंपनी अपने देश में ही बीज परीक्षण के ट्रायल करके यदि गुणवत्ता संबंधी स्वयं सत्यापन कर देगी तो वह भी मान्य होगा। ये बहुत घातक प्रावधान है। बीज संबंधी कानूनों का उद्देश्य गुणवत्ता का बीज सस्ते दामों पर किसान को मुहैया करवाने का होता है। इस आशय का आश्वासन ड्राफ्ट में नहीं है। संसद में बताया गया कि 2022 से 2025 के बीच 43001 बीज के नमूने विफल पाए गए। आज जरूरी है कि केंद्र व राज्यों की बीज कमेटियों में कम से कम तीन किसान प्रतिनिधि भी शामिल किये जाएं। बिल मसौदे के चैप्टर 5 के भाग 27 में विदेश के बीजों की वहीं पर दी गई प्रामाणिकता को मंजूरी प्रदान किए जाने के प्रावधान को हटाया जाए। इसमें मूल्य निर्धारण के किसान हितैषी प्रावधान किए जाएं, और जमाखोरी, ब्लैक मार्केटिंग या इजारेदारी पर कड़ी रोक लगाई जाए। स्थानीय स्तर के स्वयं सहायता समूहों और बीज सहकारी समितियों को प्रोत्साहन दिया जाए।

लेखक किसान सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं।

सफलता की कहानी

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंशानुरूप जिले के गौ पालकों को विभागीय योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। हितग्राहियों द्वारा पशु विभाग से विभिन्न योजनाओं को लाभ लेकर उन्नत नस्ल के गाय पालन कर रहे हैं और दूध उत्पादन से अतिरिक्त आमदनी प्राप्त कर आत्मनिर्भर बन रहे हैं। एनडीडीबी डेयरी समग्र विकास योजना के द्वारा अनुसूचित जनजाति वर्ग के महिला हितग्राही को 2 उन्नत नस्ल का गाय दिया जाता है।

इसी के तहत् कुनकुरी विकासखण्ड के सेन्द्रिमुण्डा निवासी सरोजनी एक्का को एक साहीवाल नस्ल की गाय प्रदाय किया जा चुका है। डेयरी समग्र विकास योजना अन्तर्गत हितग्राही को इकाई लागत 140000 रूपए का 50 प्रतिशत अनुदान राशि प्रदाय की गई है। हितग्राही को 2 किलो पशु आहार, 5 किलो साइलेज व 50 ग्राम मिनरल मिस्चर प्रति दिन प्रति जानवर के हिसाब से प्रदान किया जा रहा है। साथ ही गायों का एक साल का बीमा नि:शुल्क दिया गया है। विभाग द्वारा गायों का स्वास्थ्य परीक्षण, कृत्रिम गर्भाधान, कृमिनाषक दवाईयां प्रदाय एवं टीकाकरण का कार्य समय-समय पर किया जायेगा। तथा आवश्यकतानुसार तकनीकी मार्गदर्शन दिया जा रहा है। प्रतिदिन 10 लीटर दूध उत्पादन हो रहा है, जिसे एनडीडीबी के मिल्क पुलिंग पॉईंट सेन्द्रमुण्डा में पारदर्शि दुग्ध संकलन व्यवस्था से 43-45 रूपए प्रति लीटर तक दुग्ध मूल्य प्राप्त हो रहा है।

जिससे एक्का को अतिरिक्त आमदनी प्राप्त हो रही और वे अच्छी जीवन यापन कर रहे हैं। अपने मूलभूत आवश्यकताओं के साथ-साथ परिवार के कार्यो में आर्थिक सहयोग भी कर पा रहे हैं। हितग्राहियों ने मुख्यमंत्री को दिया धन्यवाद।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

भिलाई निगम द्वारा निःशुल्क एम्बुलेंस सुविधा प्रारंभ

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई में नागरिकों की समस्याओं के निराकरण हेतु एम्बुलेंस एवं स्वर्गरथ संचालित है। नागरिको के मांग पत्र एवं मौखिक अनुरोध पर वाहन उपलब्ध कराया जाता है। जिससे उनके मुस्किल समय में निगम द्वारा निःशुल्क सेवाएं उपलब्ध कराया जा सके। शहर के किसी भी परिवार में किसी सदस्य को अस्पताल पहुंचाने एवं किसी परिवार के सदस्य की मृत्यु होने पर उनके परिवार को निःशुल्क वाहन सेवाएं दी जाती है।

निगम के वाहनों को पेट्रोल पम्प से दिया जाता है ईंधन

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई में संचालित वाहनों को प्रतिदिन डीजल एवं पेट्रोल प्राप्त हो रहा है। जोन कार्यालय, 77 एमएलडी, उद्यान, मुख्य कार्यालय, जनप्रतिनिधि एवं अधिकारियों द्वारा ईंधन पर्ची जारी कर ईंधन लिया जाता है। जिसका भुगतान हेतु पम्प से देयक संग्रह कर वाहन शाखा द्वारा केवल भुगतान हेतु नस्ती अग्रेषित की जाती है। वाहन शाखा द्वारा निगम में संचालित वाहनों को ईंधन प्रदाय नहीं किया जाता है।

निगम आयुक्त ने किया सेक्टर-6 क्षेत्र का औचक निरीक्षण

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने आज जोन-5 अंतर्गत विभिन्न सार्वजनिक स्थलों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने यात्री प्रतिक्षालय, उद्यान और टेनिस कोर्ट की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को साफ-सफाई कार्य प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। एमजीएम स्कूल के समीप स्थित यात्री प्रतिक्षालय की कुर्सियां क्षतिग्रस्त पाई गई जिन्हें दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए। सेक्टर-6 बम्लेश्वरी मंदिर के पास स्थित उद्यान की साफ-सफाई सुनिश्चित करने को कहा।

सड़क बाधा करने वालों पर लगा 9200 का अर्थदण्ड

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्रांतर्गत सड़क बाधा कर व्यापार करने वालों पर निगम एवं पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा चालानी कार्यवाही की गई। जोन-1 वार्ड क्रमांक-10 लक्ष्मी नगर एवं वार्ड क्रमांक-17 के सात व्यापारियों से 2300 रूपये तथा जोन-3 अंतर्गत, सड़क बाधा कर व्यापार करने वाले 14 वेंडरों से कुल 6900 रूपये की चालानी कार्यवाही की गई है।

शिवाजी नगर, खुर्सीपार क्षेत्र का किया सघन निरीक्षण

भिलाई। निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा शहर के स्वच्छता एवं मूलभूत सुविधाओं को दृष्टिगत रखते हुए इंडोर स्टेडियम, रिक्त भूखण्ड, आवास सहित उद्यान का निरीक्षण किया गया। निगम आयुक्त एवं जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे द्वारा जोन-4 इंडोर स्टेडियम का निरीक्षण किया गया है। आयुक्त ने इंडोर स्टेडियम के संधारण कार्य को प्राक्कलन अनुसार पूर्ण कराने कार्यपालन अभियंता संजय वर्मा को निर्देशित किए हैं।

मानवीय पहल : वैशालीनगर विधायक रिकेश ने उठाया मासूम रुद्रांश की ओपन हार्ट सर्जरी का खर्च

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने एक बार फिर मानवीय संवेदना की मिसाल पेश की है। वार्ड-42 खुर्सीपार निवासी एक निर्धन परिवार के मासूम बेटे रुद्रांश के लिए वे फरिश्ता बनकर सामने आए और उसके जीवन की रक्षा के लिए दिल्ली में उसकी जटिल 'ओपन हार्ट सर्जरी' संपन्न कराई।

खुर्सीपार निवासी सविता और जयरामदास मानिकपुरी के इकलौते बेटे रुद्रांश (जन्म 1 मार्च 2024) के दिल में जन्म से ही छेद था। उसके हृदय में रक्त का संचार सही ढंग से नहीं हो पा रहा था। डॉक्टरों के अनुसार रुद्रांश हार्ट में टीजीए, वीएसडी और संकुचित नसों की समस्या से जूझ रहा था, जिसका उपचार छत्तीसगढ़ में संभव नहीं था।

मानिकपुरी दंपति ने कई जगह गुहार लगाई लेकिन मदद नहीं मिली। अंततः उन्होंने वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन से संपर्क किया। हालांकि यह परिवार उनके विधानसभा क्षेत्र का नहीं था फिर भी श्री सेन ने रुद्रांश की स्थिति को देखते हुए तत्काल उसके उपचार की पूरी जिम्मेदारी उठाने का संकल्प लिया।

विधायक रिकेश सेन ने रुद्रांश की सर्जरी, माता-पिता के दिल्ली आने-जाने और वहां रुकने का पूरा खर्च स्वयं वहन किया। इलाज के दौरान लगभग 18 बार दिल्ली जाना और लंबी काउंसलिंग की प्रक्रिया चली। दिल्ली एम्स तक पहुंचना और दसियों दिन रूकना मानिकपुरी दम्पत्ति के लिए संभव नहीं था। विधायक ने एम्स में हर एपाइंटमेंट पर परिजनों के आने-जाने और रूकने की व्यवस्था की तथा लगातार चिकित्सकीय टीम के सम्पर्क में रहे।

19 फरवरी को रुद्रांश की 'ओपन हार्ट सर्जरी' हुई। तीन दिनों तक वेंटिलेटर पर रहने के बाद अब भी आईसीयू में है, जहाँ डॉक्टरों ने उसकी स्थिति को स्थिर बताया है। रुद्रांश के माता-पिता के साथ ही भिलाई का प्रत्येक निवासी विधायक की इस पहल की सराहना कर रहा है।

ब्लास्ट फर्नेस कार्मिकों की पत्नियों के लिए 'हम भी हैं तैयार' विशेष नागरिक सुरक्षा कार्यशाला आयोजित

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। गृह मंत्रालय से संबद्ध नागरिक सुरक्षा संगठन-छत्तीसगढ़ तथा ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग, भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा ब्लास्ट फर्नेस के कर्मियों की पत्नियों व गृहिणियों के लिए 'हम भी हैं तैयार' बुनियादी नागरिक सुरक्षा कार्यशाला का आयोजन किया गया। 22 महिलाओं ने सहभागिता की।

कार्यशाला का उद्देश्य गृहिणियों को किसी भी आपदा, विपरीत परिस्थिति एवं संकटकालीन स्थिति में धैर्य और साहस के साथ कार्य करने हेतु सक्षम बनाना है। प्रशिक्षण के दौरान संकट का सामना करना, स्वयं एवं साथियों का बचाव, पीड़ित को सहारा देना एवं सुरक्षित परिवहन, तात्कालिक स्ट्रेचर तैयार करना, रस्सी के माध्यम से बचाव, प्राथमिक उपचार में रक्तस्राव रोकना, कृत्रिम श्वास प्रदान करना आदि विषयों पर व्यावहारिक जानकारी दी गई।

नागरिक सुरक्षा संगठन-छत्तीसगढ़ ने गृहिणियों को सशक्त एवं सजग बनाने की जिम्मेदारी लेते हुए 'हम भी हैं तैयार' अभियान के माध्यम से उन्हें प्रशिक्षित करने का संकल्प लिया है। यह बताया गया कि घर की संपूर्ण जिम्मेदारी प्रायः महिलाओं पर होती है तथा किसी भी आकस्मिक घटना में प्रथम प्रतिक्रिया देने

वाली गृहिणी ही होती है। प्रायः महिलाएँ घर में अकेली रहती हैं, ऐसे में किसी आपदा या आकस्मिक परिस्थिति में स्वयं एवं परिवार की सुरक्षा, शीघ्र निर्णय लेना, आपातकालीन सेवा 112 को सूचित करना तथा मानसिक संतुलन बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है।

कार्यशाला में यह भी स्पष्ट किया गया कि घर अथवा बाहर—हर स्थान पर आवश्यक सावधानी ही प्रथम सुरक्षा है। प्रतिभागियों से अपने आसपास सतर्कता बरतने तथा नागरिक सुरक्षा के महत्व को समझते हुए जागरूक नागरिक की भूमिका निभाने का आह्वान किया गया।

राष्ट्रीय आपदा मोचन बल महाविद्यालय, नागपुर (राष्ट्रीय नागरिक सुरक्षा महाविद्यालय) से प्रशिक्षित प्रशिक्षकगणों ने विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान किया। अनुभाग अधिकारी/कनिष्ठ स्टाफ अधिकारी, ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग स्वतंत्र कुमार ने नागरिक सुरक्षा का इतिहास, उद्देश्य, हमारी भूमिका, आपदा प्रबंधन, अग्नि सुरक्षा, घरेलू सुरक्षा, घरेलू उपकरण एवं विद्युत सुरक्षा तथा संचार सेवा विषयों पर प्रभावशाली व्याख्यान प्रस्तुत किया। मास्टर तकनीशियन, मर्चेंट मिल सुरेन्द्र नंदेश्वर ने बचाव सेवा एवं प्रदर्शन पर विस्तृत जानकारी दी। नर्सिंग ऑफिसर, राष्ट्रीय औद्योगिक स्वास्थ्य सेवा केन्द्र विभाग दिनेश ग्वाल ने प्राथमिक उपचार विषय पर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि महाप्रबंधक (बीएफ) विवेक वर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि संयंत्र की सुरक्षा में महिलाएँ अपनी भूमिका बखूबी निभा रही हैं तथा नागरिक सुरक्षा के क्षेत्र में भी वे समान रूप से सक्षम हैं। उन्होंने कहा कि जन-जागरूकता एवं क्षमता विकास के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाना हमारा दायित्व है।

40 साल से जारी जल समस्या खत्म होने पर महापौर का जताया आभार

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम के वार्ड 44 में महापौर अलका बाघमार ने क्षेत्र का निरीक्षण कर विकास कार्यों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वार्ड के रहवासियों से सीधे रूबरू होकर उनकी समस्याओं को सुना और आवश्यक निर्देश दिए। महापौर ने कहा कि नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं की पूर्ति निगम की प्राथमिक जिम्मेदारी है और किसी भी वार्ड में बुनियादी सुविधाओं की कमी नहीं रहने दी जाएगी।

निरीक्षण के दौरान वार्डवासियों ने महापौर को बताया कि वे पिछले लगभग 40 वर्षों से पेयजल संकट की समस्या से जूझ रहे थे। गर्मी के मौसम में स्थिति और भी विकट हो जाती थी, जिससे महिलाओं और बुजुर्गों को विशेष रूप से कठिनाई उठानी पड़ती थी।

महापौर ने लिया संज्ञान, समस्या का कराया स्थायी समाधान वार्डवासियों की पीड़ा को गंभीरता से लेते हुए महापौर अलका बाघमार ने अधिकारियों को पानी की समस्या के स्थायी समाधान हेतु कार्य प्रारंभ कराया। निगम प्रशासन की पहल से वार्ड 44 में पेयजल व्यवस्था को सुचारू किया गया, जिससे लंबे समय से चली आ रही समस्या का निराकरण संभव हो सका। महापौर ने कहा कि शहर के प्रत्येक वार्ड में मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करना उनकी प्राथमिकता है। पानी की समस्या के समाधान के बाद वार्ड क्रमांक 44 की पार्षद सहित क्षेत्र की महिलाओं एवं नागरिकों ने महापौर का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वर्षों से चली आ रही समस्या का समाधान होने से वार्डवासियों को बड़ी राहत मिली है। नागरिकों ने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी इसी प्रकार विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी।

कन्या महाविद्यालय में संकाय उन्नयन कार्यक्रम

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। शासकीय डॉ वावा पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में फैकल्टी डेव्लपमेंट प्रोग्राम का पंचम दिवस प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। प्राचार्य ने कहा कि महाविद्यालयन में निर्मित दृष्टिकोण आगे चलकर सामाजिक संरचना को प्रभावित करता है, इसलिए इन संस्थाओं द्वारा लैंगिक पूर्वाग्रह दूर करने का प्रयास आवश्यक है।

मुख्य वक्ता डॉ उषाकिरण अग्रवाल, प्राचार्य शासकीय चंदूलाल चंद्राकर महाविद्यालय, धमधा ने उच्च शिक्षण संस्थानों

में लैगिंक भूमिका, रुढ़ियां का स्वरूप समझाते हुए उनके कारणों एवं निदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय व गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा समाज की अनिवार्य आवश्यकता है इसलिए संस्थानों को लैंगिक पूर्वाग्रहों को समाप्त करने के लिए गंभीर प्रयास करने चाहिए।

सुश्री श्वेता राजमणि, पुलिस उप-महानिरीक्षक ने 'मिशन शक्ति' के संदर्भ में जानकारी देते हुए बताया कि यह भारत सरकार की ऐसी योजना है जिसमें महिलाओं की सुरक्षा, संरक्षण और सशक्तिकरण सुनिश्चित किया जाता हैं। इसे महिला एवं बाल विकास, मंत्रालय द्वारा लागू किया जाता है, इसके अंतर्गत महिलाओं को सुरक्षा व संरक्षण देकर समर्थ बनाया जाता है, इसमें वन स्टॉप सेंटर, महिला हेल्पलाइन 181, बेढी पढ़ाओ-बेटी बचाओ योजना तथा सषक्तिकरण के लिए कौशल विकास कार्यक्रम चलाए जाते हैं, जिससे महिलाएँ आत्म निर्भर होती है।

इस अवसर पर वनस्पति विज्ञान की तान्या हलधर के नेतृत्व में छात्राओं द्वारा 'जीवन का फर्क' नाटक की प्रस्तुति दी गई। मनोविज्ञान, गृहविज्ञान, रसायनशास्त्र विभाग द्वारा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

गणपति विहार के आवास भरने की प्रक्रिया तेज

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत दुर्ग नगर निगम क्षेत्र में गणपति विहार, सरस्वती नगर और मां कर्मा सहित चार प्रमुख स्थलों पर एएचपी घटक अंतर्गत आवासों का निर्माण पूर्ण हो चुका है। ये आवास आकर्षक रूप से कम कीमत में उपलब्ध हैं और इन्हें शीघ्र भरने की प्रक्रिया जारी है।

आवास एवं ऋण मेला (16-20 फरवरी) 16 से 20 फरवरी तक विभिन्न वार्डों में आवास तथा ऋण मेले का आयोजन किया गया, जिसमें आवास लेने के इच्छुक हितग्राहियों को आवेदन-फॉर्म वितरित किए गए।

आवेदकों को आवश्यक दस्तावेजों के साथ भरे हुए फॉर्म डेटा सेंटर में जमा करने होंगे। इसके बाद पात्र एवं अपात्र की सूची तैयार की जाएगी।

पात्रता के बाद होगी राशि जमा और आबंटन पत्र जारी

योग्य घोषित हितग्राहियों को निर्धारित राशि जमा करने के उपरांत आबंटन पत्र प्रदान किया जाएगा, जिसके बाद अधिपत्य पत्र जारी किया जाएगा। जिन हितग्राहियों के पास स्वयं की पर्याप्त भूमि है और वे मकान निर्माण कराना चाहते हैं, उनसे भी आवेदन व आवश्यक दस्तावेज मांगे गए हैं ताकि उन्हें भी योजना का लाभ दिया जा सके।

जनप्रतिनिधियों ने की अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील

आवास मेले में ताम्रकार, राजू गोयर, तथा संबंधित पार्षदगण उपस्थित रहे। उन्होंने आम जनता से इस महत्वपूर्ण योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की।

प्लेट मिल कर्मियों की गृहणियों ने किया संयंत्र भ्रमण

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन विभाग द्वारा 21 फरवरी को प्लेट मिल विभाग के 22 कर्मचारियों की पत्नियों के लिए 'आप भी जानिए' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह पहल कर्मचारियों के परिवारों को उनके कार्यस्थल, संयंत्र की कार्यप्रणाली तथा इस्पात निर्माण प्रक्रिया से परिचित कराने के उद्देश्य से आयोजित की जाती है।

कार्यक्रम का उद्देश्य संगठन और कर्मचारियों के परिवारों के मध्य संबंधों को और अधिक सुदृढ़ बनाना है, ताकि वे संयंत्र में किए जाने वाले कार्य की प्रकृति, जिम्मेदारियों और उसके राष्ट्रीय महत्व को निकट से समझ सकें।

उद्घाटन सत्र एचआरडी केन्द्र में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाप्रबंधक

(विद्युत) सी पद्मनाभन ने की। इस अवसर पर महाप्रबंधक प्रभारी (मानव संसाधन) जे. एन. ठाकुर एवं उप महाप्रबंधक (मिल्स एवं एम एंड एस) प्रताप शेखर नायक भी उपस्थित रहे।

गणमान्य अतिथियों ने अपने संबोधन में प्लेट मिल विभाग की राष्ट्रीय विकास में महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए संयंत्र में सुदृढ़ सुरक्षा संस्कृति के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सुरक्षित एवं कुशल उत्पादन सुनिश्चित करने में परिवारों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि परिवार का मनोबल और सहयोग ही कर्मियों को समर्पण एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्रबंधक सुश्री तनमयी मारेपल्ली द्वारा किया गया।

संयंत्र भ्रमण के दौरान प्रतिभागियों ने यूआरएम, ब्लास्ट फर्नेस, एसएमएस-3, सीओ एंड सीसीडी, रोज गार्डन तथा प्लेट मिल का अवलोकन किया। उन्होंने प्लेट मिल के शॉप फ्लोर का भी दौरा किया, जहाँ उनके पति कार्यरत हैं। इस दौरान उन्होंने इस्पात निर्माण एवं रोलिंग प्रक्रिया के विभिन्न चरणों को निकट से देखा और दैनिक कार्यप्रणाली की बारीकियों को समझा। इस अनुभव ने उन्हें संयंत्र की कार्यसंस्कृति, तकनीकी दक्षता और सुरक्षा मानकों की समझ प्रदान की।

भ्रमण के उपरांत एचआर प्रमुखों एवं प्लेट मिल विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सभी प्रतिभागियों ने बीएसपी के बेस किचन में स्नेहिल दोपहर भोज में सहभागिता की, जिससे आत्मीय संवाद का वातावरण निर्मित हुआ।

अंतिम कड़ी में जीएम (प्लेट मिल) कार्तिकेय बेहरा एवं विभागाध्यक्षों के साथ एक संवाद सत्र आयोजित किया गया।

साइंस कालेज की भूगर्भशास्त्र की छात्रा रुचि ने जीता जियो यूथ का सर्वश्रेष्ट शोध पुरस्कार

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग के भूगर्भशास्त्र विषय की एमएससी चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा रूचि देशमुख ने मोहन लाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के जियो यूथ 2026 सेमीनार में श्रेष्ठ शोध पत्र का पुरस्कार प्राप्त किया है।

यह जानकारी देते हुए भूगर्भशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एसडी देशमुख ने बताया कि इस जियो यूथ 2026 कॉनक्लेव में 7 राज्यों राजस्थान, छत्तीसगढ़, पंजाब, गुजरात, जम्मू कश्मीर, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश के 15 विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया।

जियो यूथ 2026 के विषय में जानकारी देते हुए प्रभारी प्राध्यापक प्रोफेसर डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने बताया कि रूचि देशमुख ने अपना शोध पत्र वायु के द्वारा रेगिस्तान में बनने वाली विभिन्न संरचनाओं की सचित्र जानकारी पावर पाइंट प्रस्तुतिकरण के माध्यम से विस्तार से दी। रूचि देषमुख के अलावा साइंस कालेज दुर्ग के अन्य 12 विद्यार्थियों ने जियो यूथ कॉनक्लेव 2026 में ओरल तथा पोस्टर प्रतियोगिता में हिस्सा लिया।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

दिव्यांगजनों को मिला बायोनिक कृत्रिम हाथ

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशा अनुरूप शासन द्वारा दिव्यांगजनों को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए कोंडागांव जिले में विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में जिला प्रशासन कोण्डागांव एवं समाज कल्याण संचालनालय, रायपुर के निर्देशानुसार कोहनी के नीचे हाथ गंवा चुके चिन्हांकित 8 दिव्यांगजनों को रायपुर लाकर इनाली फाउंडेशन द्वारा आयोजित विशेष शिविर में परीक्षण कराया गया। परीक्षण उपरांत 4 दिव्यांग कु. रामवती (ग्राम खजरावण्ड, बड़ेराजपुर), राम नाग (ग्राम फुक्कागिरोला, जनपद कोंडागांव), मनीराम नाग (ग्राम पंचायत निलजी) एवं संतु (ग्राम पंचायत बड़ेकुरूसनार, विकासखंड कोंडागांव) को निःशुल्क बायोनिक कृत्रिम हाथ प्रदान किया गया। इस आधुनिक सहायक उपकरण की सहायता से हितग्राही दैनिक कार्य, छोटी वस्तुएं उठाने जैसे कार्य खुद कर सकेंगे। इससे उनमें आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की भावना सुदृढ़ होगी।

अग्निवीर भर्ती 2027 के लिए ऑनलाइन पंजीयन प्रारंभ

रायपुर। भारतीय सेना में अग्निवीर भर्ती वर्ष 2027 के लिए ऑनलाइन पंजीयन प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। इस हेतु इच्छुक अभ्यर्थी जॉइन इंडियन आर्मी की आधिकारिक वेबसाइट www.joininindianarmy.nic.in की ऑनलाइन पंजीयन पोर्टल पर जाकर 01 अप्रैल 2026 तक पंजीयन करा हैं। इस हेतु ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस एग्जाम (सीईई) जुलाई-अगस्त 2026 में आयोजित की जाएगी। परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को जनवरी 2027 में आयोजित होने वाली रैली के लिए बुलाया जाएगा। भर्ती कार्यालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, छत्तीसगढ़ राज्य को आवंटित अग्निवीर पदों की संख्या सीधे तौर पर पंजीयन की संख्या के अनुपात में निर्धारित की जाती है। विगत तीन वर्षों में देखा जाए तो वर्ष 2023-24 में 14,153 पंजीयन हुए एवं 895 पद आबंटित, वर्ष 2024-25 में 19,355 पंजीयन हुए एवं 731 पद आबंटित, वर्ष 2025-26 में 28,547 युवाओं द्वारा पंजीयन किया गया है। इसके आधार पर अनुमानित 1100 से 1300 तक पद छत्तीसगढ़ के लिए आबंटित होने की संभावना है।

जल जीवन मिशन से मांगामार में हर घर जल का सपना साकार

रायपुर। जल जीवन मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन से कोरबा जिले के दूरस्थ ग्राम मांगामार में पेयजल व्यवस्था में ऐतिहासिक बदलाव आया है। जिला मुख्यालय से लगभग 53 किलोमीटर दूर स्थित इस गांव की ढाई हजार से अधिक आबादी को अब घर-घर शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो रहा है। मिशन के तहत एक करोड़ 45 लाख 34 हजार रुपये की लागत से रेट्रोफिटिंग योजना पूर्ण की गई। योजना अंतर्गत उच्च स्तरीय पानी टंकी स्थापित कर 3700 मीटर पाइपलाइन बिछाई गई तथा 522 घरों में नल कनेक्शन प्रदान किए गए। इससे हैंडपंप एवं कुओं पर निर्भरता समाप्त हो गई है। गर्मी के मौसम में जलसंकट से जूझने वाले ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं को राहत मिली है। अब नियमित जलापूर्ति से उनकी दिनचर्या सुगम हुई है तथा वे समय का उपयोग परिवार, बच्चों की पढ़ाई और आयवर्धक कार्यों में कर रही हैं। स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होने से जलजनित रोगों में भी कमी आई है।

ई-ऑफिस प्रणाली से प्रशासनिक कार्यों में आएगी गति और पारदर्शिता

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले के समस्त विभागों एवं कार्यालयों में ई-ऑफिस प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए आज जिला कलेक्टोरेट स्थित सृजन सभाकक्ष में जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निर्देशन में आयोजित इस प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रशासनिक कार्यप्रणाली को डिजिटल माध्यम से अधिक

पारदर्शी, समयबद्ध एवं दक्ष बनाना है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में अपर कलेक्टर अपूर्व टोप्पो ने कहा कि ई-ऑफिस प्रणाली शासन की प्राथमिकता में शामिल एक महत्वपूर्ण पहल है। इससे विभागीय कार्यों में पारदर्शिता आएगी तथा फाइलों के निस्तारण में अनावश्यक विलंब की समस्या समाप्त होगी। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि वे ई-ऑफिस एवं अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म का अधिकतम उपयोग करते हुए शासन की मंशा के अनुरूप कार्य करें।

संयुक्त कलेक्टर श्रीमती पूजा बंसल ने राज्य शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों को गंभीरता से समझने और उनका अक्षरशः पालन करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि डिजिटल प्रणाली को अपनाने से न केवल कार्यों की निगरानी आसान होगी, बल्कि जवाबदेही भी सुनिश्चित होगी। राज्य स्तर से आए प्रशिक्षक अमितेश शुक्ला एवं विश्वास निगम ने ई-ऑफिस के संचालन की तकनीकी बारीकियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रशिक्षण के दौरान फाइल मूवमेंट, ई-नोटशीट तैयार करना, दस्तावेजों का डिजिटल संधारण, सुरक्षा एवं गोपनीयता प्रोटोकॉल, लॉगिन प्रक्रिया, डिजिटल हस्ताक्षर तथा अन्य महत्वपूर्ण तकनीकी बिंदुओं की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। प्रतिभागियों द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रश्नों का समाधान भी विशेषज्ञों द्वारा तत्परता से किया गया।

एनआईसी के प्रोग्रामर ने बताया कि ई-ऑफिस प्रणाली का मुख्य उद्देश्य विभागीय कार्यों को पूर्णतः डिजिटल रूप से सुव्यवस्थित करना है, जिससे कागजी प्रक्रिया में कमी लाई जा सके और प्रशासनिक कार्यों में तीव्रता व पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि यह प्रणाली शासन की 'पेपरलेस ऑफिस' अवधारणा को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

जनकल्याणकारी नीतियों से मजबूत हो रही प्रदेश की अर्थव्यवस्था : मुख्यमंत्री

समृद्ध किसान, मजबूत उद्योग और बढ़ता सेवा क्षेत्रः विकसित छत्तीसगढ़ की ओर बढ़ते कदम

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि छत्तीसगढ़ आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 प्रदेश की मजबूत, संतुलित और विकासोन्मुख अर्थव्यवस्था का स्पष्ट प्रमाण है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों, किसानों के हित में लिए गए निर्णयों, औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने तथा सेवा क्षेत्र के विस्तार के कारण छत्तीसगढ़ आज विकास की नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वर्ष 2025-26 में प्रदेश का सकल राज्य घरेलू उत्पाद प्रचलित भावों पर बढ़कर लगभग 6 लाख 31 हजार 291 करोड़ रुपये अनुमानित है, जिसकी वृद्धि दर 11.57 प्रतिशत है, जो राष्ट्रीय औसत से अधिक है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि दर्शाती है कि छत्तीसगढ़ में विकास के सभी प्रमुख क्षेत्र समान रूप से प्रगति कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र में 12.53 प्रतिशत वृद्धि अनुमानित है, जो किसानों की मेहनत, तकनीकी नवाचार, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार तथा सरकार की किसान-हितैषी योजनाओं का परिणाम है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ कृषि प्रधान राज्य है और समृद्ध किसान ही विकसित छत्तीसगढ़ की मजबूत नींव हैं। राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने और कृषि को अधिक लाभकारी बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार वर्ष 2025-26 में प्रति व्यक्ति आय बढ़कर लगभग 1.79 लाख रुपये अनुमानित है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 10.07 प्रतिशत वृद्धि दर्शाती है।

सेवा क्षेत्र बना नई अर्थव्यवस्था का आधार

मुख्यमंत्री ने कहा कि सेवा क्षेत्र में 13.15 प्रतिशत वृद्धि अनुमानित है। शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, आईटी एवं डिजिटल सेवाओं में विस्तार के कारण युवाओं के लिए नए अवसर सृजित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि सेवा क्षेत्र के विकास से राज्य की अर्थव्यवस्था को नई गति मिल रही है।

हर परिवार की समृद्धि हमारा लक्ष्य

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि प्रदेश के प्रत्येक परिवार की आय बढ़े, जीवन स्तर बेहतर हो और समृद्धि हर घर तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि विकास तभी सार्थक है जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और हर परिवार आर्थिक रूप से सशक्त एवं खुशहाल बने।

औद्योगिक क्षेत्र में तेजीः निवेश और रोजगार के नए अवसर

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ आज देश की औद्योगिक शक्ति के रूप में तेजी से उभर रहा है। आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार उद्योग क्षेत्र में 10.26 प्रतिशत वृद्धि अनुमानित है और राज्य की अर्थव्यवस्था में उद्योग का योगदान लगभग 49 प्रतिशत है, जो राष्ट्रीय औसत से अधिक है। उन्होंने कहा कि राज्य में निवेश, अधोसंरचना विकास और रोजगार के अवसर लगातार बढ़ रहे हैं, जिससे प्रदेश की आर्थिक संरचना और अधिक मजबूत हो रही है।

उन्होंने कहा कि यह प्रदेशवासियों की बढ़ती आय, आर्थिक गतिविधियों के विस्तार और सरकार की विकासोन्मुख नीतियों का सकारात्मक परिणाम है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने विश्वास व्यक्त किया कि छत्तीसगढ़ आने वाले वर्षों में देश की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में अपना स्थान और मजबूत करेगा तथा विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

विधानसभा परिसर में मिलेट कैफे का शुभारंभ

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने किया उद्घाटन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा परिसर में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने मिलेट कैफेटेरिया का उद्घाटन किया। डॉ. रमन सिंह ने मिलेट्स के व्यंजनों का स्वाद लिया और इसकी सराहना की। इस कैफे में मुख्यतः मिलेट्स से निर्मित व्यंजन एवं उत्पाद उपलब्ध है। यह देश में किसी भी विधानसभा परिसर में प्रारंभ होने वाला पहला मिलेट कैफे है। इस मिलेट कैफे का संचालन साथी परियोजना के अंतर्गत किया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ में साथी परियोजना के क्रियान्वयन हेतु राज्य शासन द्वारा इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालयए रायपुर को लीड नोडल एजेंसी तथा राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम को सहायक एजेंट नियुक्त किया गया है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम के अध्यक्ष श्री चंद्रहास चंद्राकर, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल, विधानसभा सचिव दिनेश शर्मा, नोडल अधिकारी गजेंद्र चंद्राकर, और अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। बेमेतरा के विधायक ईश्वर साहू भी इस अवसर पर मौजूद थे। मिलेट कैफे का संचालन क्षीर सागर स्व-सहायता समूह के द्वारा किया जा रहा है।

विधानसभा परिसर में मिलेट कैफे शुरू करने की पहल से छत्तीसगढ़ राज्य के जन प्रतिनिधियों में मिलेट के प्रति जागरूकता को बढ़ावा मिलेगा। महिला स्व-सहायता समूह के माध्यम से कैफे का संचालन किये जाने से महिला सशक्तिकरणए स्व-रोजगार सृजन तथा स्थानीय कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन को प्रोत्साहन मिलेगा।

स्वस्थ बचपन की दिशा में वजन त्यौहार सशक्त पहल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बलरामपुर जिले में बच्चों के समग्र स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सुधार हेतु कलेक्टर के मार्गदर्शन में 'वजन त्यौहार' का सफल आयोजन किया जा रहा है। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित इस अभियान के अंतर्गत जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में 0 से 6 वर्ष तक के बच्चों का वजन कर उनके पोषण स्तर का आकलन किया जा रहा है।

अभियान के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं घर-घर संपर्क कर पालकों को जागरूक करते हुए बच्चों को केंद्र तक ला रही हैं। वजन के आधार पर बच्चों को सामान्य, मध्यम कुपोषित एवं गंभीर कुपोषित श्रेणियों में चिन्हांकित किया जा रहा है, ताकि जरूरतमंद बच्चों को समय पर अतिरिक्त पोषण, चिकित्सकीय परामर्श एवं विशेष देखभाल उपलब्ध कराई जा सके। इस अवसर पर माताओं को सुपोषण, संतुलित आहार, स्तनपान, टीकाकरण एवं स्वच्छता के महत्व की जानकारी भी दी जा रही है। कुपोषण की आशंका वाले बच्चों को पोषण पुनर्वास केंद्र, स्वास्थ्य जांच शिविर एवं पूरक पोषण आहार से जोड़ा जा रहा है। प्रशासन ने पालकों से बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्र अवश्य लाने की अपील की है।

जगदलपुर के श्रमिक की बेटी डिंपल कश्यप अब संस्कार सिटी स्कूल में संवार रही अपना भविष्य

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में शिक्षा के क्षेत्र में आई क्रांति अब सुदूर अंचलों के गरीब और श्रमिक परिवारों के आंगन तक पहुँचकर उनके बच्चों के सपनों को हकीकत में बदल रही है। शासन की अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना के माध्यम से प्रदेश के होनहार विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय शिक्षा दिलाने का संकल्प अब धरातल पर जीवंत होता दिख रहा है।

इसी कड़ी में बस्तर जिले के जगदलपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम बिलौरी के एक पंजीकृत श्रमिक नंदकिशोर कश्यप की सुपुत्री डिंपल कश्यप ने अपनी मेधा और कड़ी मेहनत के दम पर सफलता का अध्याय लिख दिया है। डिंपल का चयन राज्य की प्रावीण्य सूची (मेरिट लिस्ट) के आधार पर राजनांदगांव के प्रतिष्ठित संस्कार सिटी स्कूल के लिए हुआ है, जो उनके परिवार के लिए किसी सुखद चमत्कार से कम नहीं है। यहां डिंपल कक्षा छठवीं में अध्ययन कर रही है और बारहवीं तक निःशुल्क शिक्षा ग्रहण करेगी।

इस गौरवपूर्ण उपलब्धि की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी यह है कि छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल ने डिंपल की माध्यमिक शिक्षा से लेकर उच्चतर माध्यमिक स्तर तक की पूरी पढ़ाई का सारा खर्च उठाने की जिम्मेदारी ली है। इस निःशुल्क और उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा के प्रावधान ने परिवार के सिर से आर्थिक चिंता का बोझ पूरी तरह हटा दिया है, जिससे अब डिंपल की प्रगति की राह में कोई बाधा नहीं आएगी। अपनी बेटी की इस अभूतपूर्व सफलता पर पिता नंदकिशोर कश्यप भावुक स्वर में कहते हैं कि एक श्रमिक के लिए यह किसी सपने के सच होने जैसा है। वे दिन-रात कड़ी मेहनत ही इसलिए करते हैं ताकि उनके बच्चों का भविष्य उनके अपने संघर्षपूर्ण जीवन से कहीं बेहतर और सुगम हो सके। आज सरकार की इस कल्याणकारी योजना ने उनके उन धुंधले सपनों को हकीकत के पंख दे दिए हैं।

माता-पिता के रूप में कश्यप दंपत्ति आज स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। उन्हें अब यह अटूट विश्वास हो चला है कि उनकी बेटी का भविष्य न केवल सुरक्षित है, बल्कि वह अपनी अटूट लगन से सफलता के उस आसमान को भी छू सकेगी जिसका उन्होंने कभी केवल कल्पनाओं में विचार किया था। ग्राम बिलौरी-2 से निकलकर एक प्रतिष्ठित स्कूल तक का डिंपल का यह सफर समाज के उस हर वर्ग के लिए प्रेरणा है, जो संसाधनों के अभाव में अपनी प्रतिभा को दबाए बैठे हैं। शासन की यह पहल स्पष्ट संदेश देती है कि यदि बच्चे में प्रतिभा और आगे बढ़ने की ललक हो, तो सरकार की योजनाएं एक मजबूत सेतु बनकर उन्हें सफलता के उच्चतम शिखर तक पहुँचाने में पूरी मदद करती हैं।

मातृत्व सुरक्षा और पोषण सशक्तिकरण में ऐतिहासिक उपलब्धि

श्रीकंचनपथ समाचार

धमतरी। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से धमतरी जिले ने मातृत्व सुरक्षा और महिला सशक्तिकरण की दिशा में उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। माताओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य संरक्षण हेतु संचालित यह योजना आज जिले में एक सशक्त सामाजिक सुरक्षा कवच के रूप में स्थापित हो चुकी है। जिला महिला एवं बाल विकास द्वारा समय समय पर ऐसी लाभार्थी महिलाओं का सम्मान भी किया जाता है।

योजना का उद्देश्य गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली माताओं को गर्भावस्था के दौरान आंशिक आर्थिक सहयोग प्रदान कर उन्हें पर्याप्त विश्राम, संतुलित पोषण एवं समय पर स्वास्थ्य जांच हेतु प्रोत्साहित करना है। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से दी जाने वाली सहायता ने पारदर्शिता और विश्वास को मजबूत किया है।

जनजागरूकता और नवाचार

घर-घर सर्वे और विशेष पंजीयन अभियान चलाए गए। आंगनवाड़ी केंद्रों में मातृत्व परामर्श दिवस आयोजित कर पोषण, आयरन-फोलिक एसिड सेवन और टीकाकरण पर मार्गदर्शन दिया गया। आधार-संलग्न बैंक खातों के माध्यम से समयबद्ध डीबीटी सुनिश्चित कर पारदर्शिता बढ़ाई गई। दूसरी बालिका संतान पर प्रोत्साहन राशि से बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ की भावना को भी बल मिला।

एक बदली हुई जिंदगी

कुरूद विकासखंड की एक हितग्राही माता ने बताया कि योजना से प्राप्त राशि से उन्होंने पौष्टिक आहार, फल-सब्जी और आवश्यक दवाइयां खरीदीं। इससे उन्हें गर्भावस्था के दौरान पर्याप्त आराम मिला और सुरक्षित प्रसव संभव हुआ। उनका कहना है कि सरकार की इस सहायता ने उन्हें आर्थिक चिंता से मुक्त किया और बेटी के जन्म पर आत्मविश्वास बढ़ाया।

प्रथम जीवित संतान हेतु 5,000 की राशि दो किस्तों में प्रदान की जाती है, जबकि पीएमएमव्हीवाय 2.0 के अंतर्गत द्वितीय बालिका संतान पर 6,000 की एकमुश्त सहायता दी जाती है। इस पहल से न केवल मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने में मदद मिल रही है, बल्कि नवजातों के टीकाकरण, संस्थागत प्रसव और नियमित एएनसी जांच के प्रति जागरूकता भी बढ़ी है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में जिले ने निर्धारित लक्ष्य से अधिक नामांकन कर 110 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज की है, जो राज्य स्तर पर एक प्रेरक उदाहरण बनकर उभरी है। प्रथम संतान श्रेणी में 3,337 के लक्ष्य के विरुद्ध 3,877 पंजीयन कर 116 प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त की गई। द्वितीय बालिका संतान श्रेणी में 1,515 के लक्ष्य के विरुद्ध 1,480 पंजीयन कर 98 प्रतिशत उपलब्धि हासिल हुई। कुल मिलाकर 4,852 के लक्ष्य के विरुद्ध 5,357 पंजीयन कर जिले ने 110 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज की है। यह उपलब्धि दर्शाती है कि जिले में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, स्वास्थ्य विभाग एवं प्रशासन के समन्वित प्रयासों से अधिकाधिक पात्र महिलाओं तक योजना का लाभ पहुंचाया गया। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना जिले में केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मातृत्व को सम्मान, सुरक्षा और स्वास्थ्य जागरूकता से जोड़ने का सशक्त माध्यम बन चुकी है।

सूरजपुर के चयनित ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभा आयोजित

श्रीकंचनपथ समाचार

सूरजपुर। जिला प्रशासन सूरजपुर द्वारा शासन की महत्वाकांक्षी एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा ग्रामीण क्षेत्रों में जन भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज जिले के चयनित ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया। कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देशानुसार आयोजित इन ग्राम सभाओं में विभिन्न शासकीय योजनाओं की समीक्षा, पात्र हितग्राहियों का सत्यापन एवं आवश्यक प्रस्तावों को पारित किया गया।

विशेष ग्राम सभा में सर्वप्रथम शासन की महत्वाकांक्षी 'धरती आबा योजना' के अंतर्गत वन क्षेत्र से प्रभावित ग्राम पंचायतों में सड़क निर्माण कार्य की स्वीकृति के संबंध में विस्तृत चर्चा एवं अनुमोदन किया गया। इस योजना के तहत दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों को बेहतर सड़क संपर्क से जोड़ने का मार्ग प्रशस्त होगा। इसके साथ ही 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना' के अंतर्गत वनपट्टा धारी (एफ्आरए) कृषकों के भौतिक सत्यापन के उपरांत अपात्र पाए गए कृषकों के संबंध में ग्राम सभा में विचार-विमर्श कर आवश्यक निर्णय लिए गए, जिससे योजना का लाभ केवल पात्र हितग्राहियों तक पहुंचना सुनिश्चित किया जा सके। ग्राम सभा अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषयों के अंतर्गत 'विभिन्न ग्राम सभा, प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएम आवास), स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम)' तथा कर वसूली एवं अन्य स्थानीय विषयों पर भी व्यापक चर्चा की गई।

रेड कार्पेट पर आलिया भट्ट ने किया बेटी राहा का जिक्र

कहा - 'वो तीन साल की हो गई है और अब...'

अभिनेत्री आलिया भट्ट ने 79वें बाफ्टा अवॉर्ड्स में शिरकत की। अपने शानदार लुक के लिए उनकी तारीफ हो रही है। अवॉर्ड फंक्शन के रेड कार्पेट पर आलिया भट्ट ने अपनी बेटी राहा कपूर का नाम लिया। जानिए क्यों?

आलिया भट्ट ब्रिटिश एकेडमी ऑफ फिल्म एंड टेलीविजन आर्ट्स अवार्ड्स 2026 यानी बाफ्टा में बतौर प्रजेंटर स्टेज पर नजर आईं। अपने रेड कार्पेट लुक से आलिया भट्ट छा गईं। इतना ही नहीं, बाफ्टा में आलिया भट्ट ने हिंदी बोलकर सबका ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने 'नमस्कार' बोलकर सबका अभिवादन किया। इसके अलावा आलिया ने रेड कार्पेट पर अपनी बेटी का नाम लिया। उन्होंने बिटिया राहा को अपनी प्रेरणा बताया।

आलिया ने राहा को बताया मैजिक का सोर्स

आलिया भट्ट ने पहली बार बाफ्टा में किसी अवॉर्ड को प्रेजेंट किया। अपने डेब्यू के साथ ही वह ग्लोबल स्टेज पर अपने अंदाज से छा गईं। रेड कार्पेट पर बोलते हुए, आलिया ने कहा, 'मेरे लिए कैमरे के सामने होना एक ब्लेसिंग है। मैं बहुत शुक्रगुजार हूं। मुझे अपना काम बहुत पसंद है, लेकिन मुझे कहना होगा कि अभी मेरी प्रेरणा और मैजिक का सोर्स मेरी बेटी है।

मां के गानों पर डांस करती हैं नन्ही आलिया

आलिया भट्ट ने कहा, 'मेरी बेटी राहा अभी तीन साल की है। उसे देखकर मैं खिल उठती हूं। वह अब मेरे गानों पर डांस करती है। कभी-कभी मुझे लगता है, 'ठीक है, यही जिंदगी है'। इस इंटरनेशनल अवॉर्ड इवेंट में आलिया ने सिल्वर कलर का गाउन पहना। इसके साथ क्रीम कलर फर स्टोल कैरी किया। इस आउटफिट और मेकअप के लिए आलिया भट्ट को पॉजिटिव रेस्पॉन्स मिल रहा है।

बाफ्टा में शामिल होने वाली तीसरी भारतीय एक्ट्रेस आलिया

बता दें कि आलिया भट्ट बाफ्टा में पहुंचने वाली तीसरी भारतीय अभिनेत्री बन गई हैं। उनसे पहले प्रियंका चोपड़ा औ दीपिका पादुकोण भी बाफ्टा में अवॉर्ड प्रेजेंट कर चुकी हैं। बात करें आलिया के वर्क फ्रंट की, तो उनकी दो फिल्में 'अल्फा' और 'लव एंड वॉर' आनी हैं, जिसकी रिलीज का फैंस को बेसब्री से इंतजार है।

नागा चैतन्य से अलग होने के बाद टूट गई थीं सामंथा

कहा - राज ने मुझे बेहतर इंसान बनाया

सामंथा रुथ प्रभु और नागा चैतन्य 2021 में अलग हो गए थे। इसके बाद सामंथा ने किसी के ऊपर भरोसा करना बंद कर दिया था। लेकिन अब उन्होंने बताया कि कैसे राज निदिमोरु ने उन्हें बदल दिया है।

अपनी पर्सनल लाइफ के सबसे मुश्किल दौर से गुजरने के बाद अब सामंथा रुथ प्रभु को फिर से प्यार मिल गया है। एक्ट्रेस ने पिछले साल दिसंबर में फिल्ममेकर राज निदिमोरु से शादी की। अब सामंथा ने अपने हार्टब्रेक पर खुलकर बात की और बताया कैसे उन्होंने मूव ऑन किया।

मैं पूरी तरह से बिखर गई थी

हाल ही में वाग्यू इंडिया को दिए इंटरव्यू में सामंथा ने दिल खोलकर बताया कि कैसे एक हार्टब्रेक के बाद उन्होंने खुद को पूरी तरह बंद कर लिया था। लेकिन राज की दोस्ती और प्यार ने उन्हें फिर से प्यार पर भरोसा करना सिखाया। सामंथा ने कहा, 'जब मेरा सेपरेशन हुआ, तो मैं पूरी तरह से बिखर गई थी। मुझे नहीं लगता था कि मैं कभी किसी पर दोबारा भरोसा कर पाऊंगी। लेकिन शुक्र है कि मैंने खुद को इतना कमजोर नहीं होने दिया और प्यार और दोस्ती पर फिर से भरोसा किया। आज मैं एक बेहतर इंसान हूं, सिर्फ इसलिए क्योंकि मेरी जिंदगी में राज जैसे इंसान हैं।'

उन्होंने आगे कहा, 'यह बदलाव उनके करीबियों को भी महसूस हो रहा है। कुछ दिन पहले मैं अपनी एक पुरानी दोस्त से मिली। बाद में उसने मुझे वॉइस नोट भेजा और कहा कि काफी समय बाद ऐसा लग रहा है कि तुम्हें सांस लेने में तकलीफ नहीं हो रही। अब मैं कुछ दिखावा नहीं कर रही हूं।'

2021 में नागा चैतन्य से अलग हुईं थी सामंथा

सामंथा और नागा चैतन्य की लव स्टोरी 2010 की फिल्म 'ये माया चेसावे' के सेट से शुरू हुई थी, जो सामंथा की डेब्यू फिल्म भी थी। दोस्ती प्यार में बदली और दोनों ने 2017 में भव्य शादी की। लेकिन शादी के चार साल बाद, 2021 में दोनों ने अलग होने का फैसला लिया। हालांकि, अलग होने की वजह कभी सार्वजनिक नहीं की गई। बाद में 2024 में नागा चैतन्य ने शोभिता धुलिपाला से शादी कर ली।

सामंथा ने राज से शादी कर फैंस को चौंकाया

वहीं सामंथा और राज की पहली मुलाकात 2021 में वेब सीरीज 'द फैमिली मैन' के दूसरे सीजन के दौरान मानी जाती है, जहां सामंथा ने 'राजी' का किरदार निभाया था। हालांकि, 2024 में 'सिटाडेल' पर साथ काम करने के बाद दोनों के डेटिंग की खबरें सामने आईं। दोनों ने इस पर कभी खुलकर बात नहीं की, लेकिन फैंस ने उन्हें छुट्टियों और इवेंट्स में साथ देखा। 1 दिसंबर 2025 को सामंथा और राज ने कोयंबटूर में शादी कर ली। उन्होंने अपनी इंटिमेट वेडिंग की पोस्ट शेयर कर फैंस को चौंका दिया।

'भूत बंगला' में अक्षय कुमार के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी मिथिला पालकर, बहन के किरदार में आएंगी नजर

भूत बंगला 2026 की उन फिल्मों में से है जिसका दर्शकों को सबसे ज्यादा इंतजार है। इसकी सबसे बड़ी वजह है बॉलीवुड की ओजी जोड़ी अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की 16 साल बाद हो रही धमाकेदार वापसी। बालाजी मोशन पिक्चर्स के बैनर तले बन रही इस फिल्म ने उन फैंस के बीच जबरदस्त एक्साइटमेंट पैदा कर दी है, जो इस जोड़ी की आइकॉनिक कॉमेडी फिल्में देख-देखकर बड़े हुए हैं। हर कोई उस सिग्नेचर ह्यूमर और हंसी के जादू को दोबारा पर्दे पर देखने के लिए बेताब है जिसने पिछली कई फिल्मों को यादगार बनाया था।

इस इंतजार को और बढ़ाते हुए अक्षय कुमार ने हाल ही में फिल्म की कास्ट में एक नया नाम जोड़ा है, मिथिला पालकर। अक्षय ने बताया कि मिथिला फिल्म में उनकी बहन का किरदार निभाती नजर आएंगी। इस फ्रेश कास्टिंग ने कहानी में एक नया एंगल जोड़ दिया है, और अब फैंस बस इस जोड़ी के ऑन-स्क्रीन मैजिक का इंतजार कर रहे हैं।

अक्षय कुमार ने खुद इस बारे में बताते हुए कहा, मिथिला ने अपना सफर इंटरनेट से शुरू किया था और आज वह कई फिल्मों में काम कर रही हैं। और जल्द ही, वह एक ऐसे एक्टर के साथ नजर आएंगी जिसे मैं बहुत अच्छी तरह जानता हूं, गेस कीजिए कौन? मैं खुद! भूत बंगला में मिथिला भूत का नहीं, बल्कि मेरी बहन का किरदार निभाती दिखेंगी।

फैंस भूत बंगला के लिए बेहद एक्साइटेड हैं। यह फिल्म न केवल अक्षय और प्रियदर्शन की ओजी जोड़ी को 16 साल बाद वापस ला रही है, बल्कि यह एक कम्पलीट फैमिली एंटरटेनर होने वाली है। इसमें भरपूर कॉमेडी, मजेदार अफरा-तफरी और दिल को छू लेने वाले पल देखने को मिलेंगे। दर्शक अक्षय कुमार को उनके पुराने अंदाज और जबरदस्त कॉमिक टाइमिंग में देखने की उम्मीद कर रहे हैं, वहीं प्रियदर्शन वही पुराना जादू और कहानियों का वो देसी तड़का वापस ला रहे हैं जिसने उनकी पिछली फिल्मों को यादगार बनाया था। बालाजी मोशन पिक्चर्स और केप ऑफ गुड फिल्म्स के बैनर तले बन रही इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ वामिका गब्बी, परेश रावल, तब्बू और राजपाल यादव जैसे दिग्गज कलाकार नजर आएंगे। फिल्म के प्रोड्यूसर अक्षय कुमार, शोभा कपूर और एकता आर कपूर हैं।

हर महिला के पास होने चाहिए ये 5 सिल्क स्कार्फ

साधारण आउटफिट को बना देंगे खास

सफेद रंग का सिल्क स्कार्फ

सफेद रंग का सिल्क स्कार्फ किसी भी कपड़े के साथ आसानी से मेल खाता है। यह रंग न केवल साफ-सुथरा दिखता है, बल्कि इसे पहनकर आप हमेशा ताजगी महसूस कर सकती हैं। सफेद रंग का सिल्क स्कार्फ आप किसी भी रंग के कपड़े के साथ पहन सकती हैं और यह हर तरह की स्टाइलिंग में अच्छा लगता है। चाहे आप इसे किसी पारंपरिक कपड़े के साथ पहनें या आधुनिक कपड़ों के साथ, यह हर बार एक नया अंदाज देता है।

काले रंग का सिल्क स्कार्फ

काले रंग का सिल्क स्कार्फ एक बेहतरीन विकल्प है, जो हर मौके पर खास लुक देता है। इसे आप किसी भी रंग के कपड़े के साथ पहन सकती हैं और यह हर तरह की स्टाइलिंग में अच्छा लगता है। काले रंग का सिल्क स्कार्फ आपके व्यक्तित्व को निखारता है और आपको आत्मविश्वास से भरपूर महसूस कराता है। आप इसे पार्टी में जाते समय भी पहन सकती हैं और ऑफिस के कपड़ों पर भी स्टाइल कर सकती हैं।

लाल रंग का सिल्क स्कार्फ

लाल रंग का सिल्क स्कार्फ हर महिला की अलमारी का हिस्सा होना चाहिए, जो जीवंत लगता है। यह रंग न केवल ध्यान खींचता है, बल्कि इसे पहनकर आप हमेशा ऊर्जा से भरी महसूस कर सकती हैं। लाल रंग का सिल्क स्कार्फ किसी भी मौके पर अच्छा लगता है, फिर चाहे वह शादी समारोह हो या डेट नाइट। आप इसे कुर्ती या साड़ी जैसे पारंपरिक परिधानों के ऊपर भी स्टाइल कर सकती हैं।

नीले रंग का सिल्क स्कार्फ

नीले रंग का सिल्क स्कार्फ एक नरम और सादा विकल्प है, जो हर मौके पर अच्छा लगेगा। इसे आप किसी भी रंग के कपड़े के साथ पहन सकती हैं और यह आपके व्यक्तित्व को निखारने में योगदान देगा। खास तौर से इस रंग वाला स्कार्फ ऑफिस जाने वाली महिलाओं के लिए सबसे अच्छा विकल्प हो सकता है। इस रंग के स्कार्फ को आप काले, नीले, ग्रे और सफेद जैसे सदाबहार रंगों वाले कपड़ों के साथ पेयर करें।

हरे रंग का सिल्क स्कार्फ

हरे रंग का सिल्क स्कार्फ ताजगी और प्राकृतिक सुंदरता का प्रतीक हो सकता है। इसे आप चुनिंदा रंगों वाले कपड़ों के साथ पहन सकती हैं, लेकिन यह आपको एक जीवंत लुक देगा। इस रंग वाला स्कार्फ पारंपरिक परिधानों के ऊपर बहुत अच्छा लगता है, चाहे आप कुर्ती पहन रही हों या सूट। चाहे आप इसे किसी पारंपरिक कपड़े के साथ पहनें या आधुनिक कपड़ों के साथ, हरे रंग का सिल्क स्कार्फ हर बार एक नया अंदाज देता है।

अनिल कपूर की एक्शन ड्रामा फिल्म सूबेदार का धमाकेदार टीजर रिलीज

प्राइम वीडियो ने अपनी आने वाली प्राइम ओरिजिनल एक्शन-ड्रामा मूवी सूबेदार के वर्ल्डवाइड प्रीमियर की घोषणा कर दी है। यह फिल्म 5 मार्च को प्रीमियर के लिए तैयार है। सुरेश त्रिवेणी ने फिल्म सूबेदार का निर्देशन किया हैं और इसे विक्रम मल्होत्रा, अनिल कपूर, और सुरेश त्रिवेणी ने साथ मिलकर प्रोड्यूस किया है।

ओपनिंग इमेज फिल्म्स प्रोडक्शन द्वारा अनिल कपूर फिल्म एंड कम्युनिकेशन नेटवर्क के साथ मिलकर तैयार की गई ये फिल्म बेहद दमदार और जज्बातों से भरी एक्शन-ड्रामा है। सूबेदार की कहानी सुरेश त्रिवेणी और प्रज्वल चंद्रशेखर ने लिखी है जिसमें अनिल कपूर और राधिका मदान मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं, साथ ही सौरभ शुक्ला, आदित्य रावल, फैजल मलिक और मोना सिंह ने भी अहम किरदार निभाए हैं।

सूबेदार फिल्म में एक रिटायर्ड फौजी, सूबेदार अर्जुन मौर्या की जिंदगी के उतार-चढ़ाव भरे सफ़र को दिखाया गया है, जो आज की बदलती दुनिया में सुकून पाने की तलाश में है, जहाँ उसके उन उसूलों पर सवाल उठाए जा रहे हैं जिसके सहारे उसने जिंदगी बिताई है। फिल्म में अनिल कपूर ने ज़बरदस्त अभिनय किया है, जो अपराध और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ते हैं, साथ ही अपने बिखरे हुए परिवार को जोड़ने की कोशिश करते हुए हमेशा सही का साथ देते हैं। भारत का हृदयस्थल में बसी, इस फिल्म में समाज के गिरते स्तर के बीच सम्मान तलाशने की दमदार कहानी को बड़ी संजीदगी से पर्दे पर दिखाया गया है।

प्राइम वीडियो इंडिया के डायरेक्टर और ऑरिजिनल्स के हेड, निखिल मधोक ने कहा, सूबेदार एक ज़बरदस्त एक्शन फिल्म होने के साथ-साथ बाप-बेटी की दिल को छू लेने वाली कहानी भी है। इस फिल्म में अनिल कपूर का अभिनय शानदार है, जो एक एक्शन हीरो के तौर पर शुरू से ही दर्शकों का दिल जीत लेंगे। सुरेश त्रिवेणी, अनिल कपूर, विक्रम मल्होत्रा और सूबेदार की पूरी टीम के साथ मिलकर काम करना हमारे लिए गौरव की बात है। प्रोड्यूसर विक्रम मल्होत्रा ने बताया, सूबेदार सही मायने में जबरदस्त फिल्म है, और इस तरह के मुख्य किरदार को शायद दर्शकों ने पहले कभी नहीं देखा होगा, जो देश सेवा, अनुशासन और बलिदान की मूरत है। शुरुआत से ही, मुझे यह कहानी पसंद आई, जो धमाकेदार होने के साथ-साथ दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करने वाली है। रिश्तों को करीब से दिखाने वाली इस फिल्म का सिनेमाई स्तर भी अव्वल दर्जे का है।

रोजाना 5 मिनट का ध्यान जीवन को बनाता है बेहतर

ध्यान एक ऐसा अभ्यास है, जो हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है। अगर आप रोजाना केवल 5 मिनट का ध्यान करते हैं तो इससे आपके जीवन में कई सकारात्मक बदलाव आ सकते हैं। यह न केवल आपको तनाव मुक्त करता है, बल्कि आपके मन को भी शांत करता है और आपको अधिक केंद्रित रहने में मदद करता है। आइए जानते हैं कि कैसे 5 मिनट का ध्यान आपके जीवन को बेहतर बना सकता है।

ध्यान लगाने से करें सुबह की शुरुआत

सुबह का समय सबसे अधिक सकारात्मक ऊर्जा से भरा होता है। जब आप सुबह उठते हैं तो आपका मन शांत और ताजगी से भरा होता है। इस समय 5 मिनट का ध्यान करना आपके दिन की शुरुआत को बेहतर बना सकता है। यह आपको पूरे दिन ऊर्जा और उत्साह से भर रख सकता है। इसके अलावा यह आपके मन को स्थिर करता है और आपको अधिक केंद्रित और सकारात्मक महसूस करवाता है।

खाने के दौरान लगाएं ध्यान

खाने का समय भी ध्यान लगाने का एक अच्छा अवसर हो सकता है। जब आप खाना खा रहे हों तो हर निवाले को ध्यानपूर्वक चखें और उसका आनंद लें। इससे न केवल आपका भोजन अधिक स्वादिष्ट लगेगा, बल्कि आप अधिक संतुष्ट भी महसूस करेंगे। यह अभ्यास आपको अपने भोजन के प्रति जागरूक बनाता है और खाने की आदतों को सुधारने में मदद करता है। इससे आप अधिक संतुलित और सेहतमंद भोजन का अनुभव कर पाएंगे।

चलने के दौरान लगाएं ध्यान

चलना एक प्राकृतिक गतिविधि है, जिसे हम सभी करते हैं। अगर आप चलते समय 5 मिनट का ध्यान लगाते हैं तो यह आपके मन को स्थिर करता है और आपको अधिक केंद्रित बना सकता है। आप अपने कदमों पर ध्यान दें, सांसों की आवाज सुनें और अपने आस=पास की प्रकृति का आनंद लें। इससे न केवल आपका मन शांत होगा, बल्कि आप अधिक ऊर्जा और उत्साह से भरपूर महसूस करेंगे। यह अभ्यास आपको मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रखेगा।

सोने से पहले लगाएं ध्यान

सोने से पहले का समय भी बहुत अहम होता है। इस समय 5 मिनट का ध्यान करने से आपका मन शांत हो सकता है और नींद जल्दी आ सकती है। आप अपने दिनभर के अनुभवों पर विचार करें, सकारात्मक सोचें और नकारात्मक विचारों को दूर करें। इससे आपकी नींद गहरी होगी और आप सुबह ताजगी महसूस करेंगे। यह अभ्यास आपको मानसिक शांति और शारीरिक आराम प्रदान करेगा, जिससे आपका स्वास्थ्य बेहतर रहेगा।

काम करने के दौरान लगाएं ध्यान

काम करते समय भी छोटे-छोटे ब्रेक लेकर आप ध्यान लगा सकते हैं। जब भी आपको लगे कि आप थक रहे हैं या आपका ध्यान भटक रहा है, थोड़ी देर रुके, गहरी सांस लें और अपने मन को स्थिर करें। इससे आपकी उत्पादकता बढ़ेगी और आप अधिक केंद्रित रहेंगे। इन सरल तरीकों से आप अपने रोजमर्रा के जीवन में आसानी से ध्यान को शामिल कर सकते हैं और इसके फायदों का पूरा लाभ उठा सकते हैं।

बारनवापारा अभयारण्य

जहां हर कदम पर है प्रकृति का रोमांच

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से लगभग 100 किलोमीटर दूर महासमुंद जिले में स्थित बारनवापारा वन्यजीव अभयारण्य प्रकृति और वन्यजीव प्रेमियों के लिए एक आकर्षक पर्यटन स्थल है। लगभग 245 वर्ग किलोमीटर में फैला यह अभ्यारण्य साल और सागौन के घने जंगलों और समृद्ध जैव विविधता के लिए प्रसिद्ध है। यहां का शांत वातावरण, हरियाली और वन्यजीवों की प्राकृतिक गतिविधियां पर्यटकों को एक अलग ही दुनिया का अनुभव कराती है।

बारनवापारा में चीतल, सांभर, नीलगाय, जंगली सूअर, चौसिंगा, भालू तथा कभी-कभी तेंदुए की झलक भी देखने को मिल जाती है। इसके अलावा विभिन्न प्रजातियों के पक्षी यहां के वातावरण को और जीवंत बनाते हैं। वन विभाग द्वारा संचालित जीप सफारी पर्यटकों को जंगल के भीतर सुरक्षित भ्रमण का अवसर देती है। सुबह और शाम का समय वन्यजीवों को देखने के लिए सबसे उपयुक्त माना जाता है। यह अभयारण्य सड़क, रेल और हवाई मार्ग से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। निकटतम हवाई अड्डा रायपुर स्थित स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट है। रेल यात्रियों के लिए रायपुर जंक्शन रेलवे स्टेशन सबसे सुविधाजनक स्टेशन है। रायपुर, महासमुंद और बलौदाबाजार से नियमित बस एवं टैक्सी सेवाएं उपलब्ध रहती हैं। निजी वाहन से पहुंचना अधिक सुविधाजनक रहता है।

अभयारण्य में प्रवेश शुल्क और सफारी शुल्क निर्धारित हैं। यहां पार्किंग, गाइड, वॉच टॉवर, पेयजल और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं। पर्यटकों को सलाह दी जाती है कि वे सफारी के लिए अग्रिम बुकिंग कराएं और प्लास्टिक का उपयोग न करें। बारनवापारा की यात्रा को और अधिक सुखद बनाने के लिए पर्यटन मंडल द्वारा संचालित मोहदा रिसोर्ट विशेष आकर्षण का केंद्र है। यह रिसोर्ट प्राकृतिक वातावरण के बीच स्थित है और यहां आधुनिक सुविधाओं से युक्त कमरे, रेस्टोरेंट, बच्चों के खेलने की जगह तथा हरियाली से घिरा शांत परिसर उपलब्ध है। परिवार और समूह में आने वाले पर्यटकों के लिए यह ठहरने का एक उत्कृष्ट विकल्प है। यहां स्थानीय व्यंजनों का स्वाद भी लिया जा सकता है। जंगल सफारी और मोहदा रिसोर्ट की बुकिंग वनविभाग और छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल की साइट से की जा सकती है।

बारनवापारा के समीप स्थित तुरतुरिया भी पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थल है। यह स्थान अपने प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक महत्व के लिए जाना जाता है। यहां प्राचीन अवशेष, शांत वन क्षेत्र और जलधाराएं पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। तुरतुरिया को महर्षि वाल्मीकि के आश्रम से जुड़ी मान्यता के कारण धार्मिक और पौराणिक महत्व भी प्राप्त है। यहां पिकनिक और प्रकृति अवलोकन के लिए उपयुक्त वातावरण मिलता है। लोक मान्यता है कि माता सीता ने वनवास के दौरान यहीं आश्रय लिया था और लव-कुश का जन्म भी इसी क्षेत्र में हुआ। इस कारण यह स्थल धार्मिक आस्था का केंद्र है। यह क्षेत्र घने जंगलों, पहाड़ियों और शांत वातावरण से घिरा हुआ है। यहां बहने वाली छोटी जलधाराएं और प्राकृतिक झरने इसकी खूबसूरती को और बढ़ाते हैं। प्रकृति प्रेमियों और पिकनिक मनाने वालों के लिए यह आकर्षक स्थान है। तुरतुरिया में प्राचीन मंदिरों और संरचनाओं के अवशेष मिले हैं, जो इस क्षेत्र की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को दर्शाते हैं। पुरातात्विक दृष्टि से भी यह स्थान महत्वपूर्ण माना जाता है। यहां प्राकृतिक गरम जल कुंड भी पाए जाते हैं, जिनके बारे में स्थानीय मान्यता है कि इनका जल स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होता है। यही तुर-तुर ध्वनि से निकले नाम की एक मान्यता भी बताई जाती है।

बारनवापारा अभयारण्य - सिरपुर - तुरतुरिया पर्यटन परिपथ

अभयारण्य से लगभग 45 किलोमीटर दूर स्थित सिरपुर ऐतिहासिक और पुरातात्विक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण स्थल है। प्राचीन मंदिर, बौद्ध विहार और पुरातात्विक अवशेष यहां के प्रमुख आकर्षण हैं, जो इतिहास और संस्कृति में रुचि रखने वाले पर्यटकों को विशेष रूप से आकर्षित करते हैं। बारनवापारा घूमने का सर्वोत्तम समय अक्टूबर से जून तक माना जाता है। वर्षा ऋतु में हरियाली अपने चरम पर होती है, हालांकि कभी-कभी सफारी सेवाएं सीमित हो सकती हैं। यात्रा के दौरान हल्के रंग के वस्त्र पहनना, दूरबीन और कैमरा साथ रखना तथा वन्यजीवों से सुरक्षित दूरी बनाए रखना आवश्यक है। बारनवापारा अभयारण्य, सिरपुर और तुरतुरिया मिलकर एक ऐसा पर्यटन परिपथ तैयार करते हैं, जहां प्रकृति, रोमांच, इतिहास और आरामदायक आवास की सुविधाएं एक साथ मिलती हैं। यदि आप सप्ताहांत में सुकून भरी और यादगार यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो यह क्षेत्र आपके लिए एक आदर्श गंतव्य सिद्ध हो सकता है।

इतिहास से प्रेरणा लेकर ही सशक्त भविष्य का निर्माण संभव- संस्कृति मंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राजधानी रायपुर के ऐतिहासिक साइंस कॉलेज ग्राउंड में छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग द्वारा आयोजित विश्वविख्यात महानाट्य 'जाणता राजा' का भव्य समापन समारोह अत्यंत उत्साह और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। समापन समारोह में प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल शामिल हुए। इस अवसर पर कृषि मंत्री रामविचार नेताम, राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर तथा आदिम जाति विकास विभाग के सचिव सोनमणि बोरा भी उपस्थित थे।

छत्रपति शिवाजी महाराज के अद्वितीय शौर्य, रणनीति, राष्ट्रभक्ति और लोक-कल्याणकारी शासन की गाथा पर आधारित इस ऐतिहासिक महानाट्य ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। भव्य मंच सज्जा, सजीव अभिनय, प्रभावशाली प्रकाश एवं ध्वनि संयोजन तथा ऐतिहासिक दृश्यों की जीवंत प्रस्तुति ने मानो इतिहास के स्वर्णिम पन्नों को साकार कर दिया। महान मराठा सम्राट छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित 'जाणता राजा' केवल एक सांस्कृतिक प्रस्तुति नहीं, बल्कि राष्ट्रगौरव और स्वाभिमान की प्रेरक गाथा है। इस विश्वप्रसिद्ध नाट्यकृति की संकल्पना और प्रस्तुति सुप्रसिद्ध रंगकर्मी बाबासाहेब पुरंदरे द्वारा की गई थी, जिसने दशकों से देश-विदेश में दर्शकों को इतिहास से जोड़ा है।

संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि जाणता राजा केवल एक नाटक नहीं, बल्कि भारतीय इतिहास की उस अमर गाथा का सजीव दर्शन है, जिसने हमें स्वराज, स्वाभिमान और सुशासन का मार्ग दिखाया। छत्रपति शिवाजी महाराज का जीवन आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत है। उनके आदर्श हमें साहस, संगठन और राष्ट्रभक्ति का संदेश देते हैं। उन्होंने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ की पावन धरती पर ऐसे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक आयोजनों का होना हमारे लिए गौरव का विषय है। राज्य सरकार संस्कृति और विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। इस प्रकार के आयोजन हमारी नई पीढ़ी को अपने गौरवशाली अतीत से जोड़ते हैं और उन्हें सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं। मंत्री अग्रवाल ने आयोजन की सफलता के लिए छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग, कलाकारों, तकनीकी टीम तथा सभी सहयोगियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

विशेष शिविर में 401 दिव्यांग हुए लाभान्वित

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सरकार की समावेशी और संवेदनशील नीतियों का प्रभाव अब सुदूर वनांचलों तक स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण की दिशा में राज्यभर में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में सुकमा जिले में आयोजित तीन दिवसीय विशेष दिव्यांग सशक्तिकरण शिविर में 401 दिव्यांगजनों को आधुनिक सहायक उपकरण प्रदान कर आत्मनिर्भरता की नई राह दिखाई गई। सुकमा के शबरी ऑडिटोरियम में 20 से 22 फरवरी तक आयोजित इस शिविर में कोंटा, छिंदगढ़ और सुकमा विकासखंड के हितग्राहियों का चिन्हांकन कर उन्हें आवश्यक उपकरण मौके पर ही उपलब्ध कराए गए। यह शिविर केवल वितरण कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामाजिक समावेशन और सम्मानजनक जीवन की दिशा में राज्य सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक बना।शिविर में भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति जयपुर के विशेषज्ञों द्वारा आधुनिक जयपुर फुट, कृत्रिम हाथ, कृत्रिम पैर सहित विभिन्न सहायक उपकरण तैयार कर वितरित किए गए। वर्षों से बैसाखियों के सहारे चल रहे कई हितग्राहियों को जब आधुनिक कृत्रिम अंग मिले, तो उनके चेहरे पर आत्मविश्वास और नई उम्मीद साफ झलक रही थी। ट्राइसिकल, व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र, छड़ी, स्टिक और बैसाखी जैसे उपकरण शिविर स्थल पर ही प्रदान किए गए।आर्टिफिशियल कैलिपर्स के लिए माप लेकर शीघ्र वितरण की प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी गई है।समाज कल्याण विभाग की नोडल अधिकारी सुश्री मधु तेता ने बताया कि शिविर में 213 दिव्यांगजनों के प्रमाण-पत्र हेतु आवेदन भी लिए गए, ताकि वे राज्य शासन की अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें।

प्रोजेक्ट सुरक्षा के तहत शासकीय कर्मचारियों को मिला जीवनरक्षक प्रशिक्षण

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशन में जिला प्रशासन रायपुर एवं रेड क्रॉस सोसाइटी, जिला शाखा रायपुर के संयुक्त प्रयास से प्रोजेक्ट सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत महत्वपूर्ण जीवनरक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के मार्गदर्शन में यह प्रशिक्षण संपन्न हुआ। प्रोजेक्ट सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत आज 34 पंचायत सचिवों को प्राथमिक उपचार किट के उपयोग और सीपीआर तकनीक का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। रेडक्रॉस सोसाइटी, जिला शाखा रायपुर के सहायक प्रबंधक श्री देवप्रकाश कुर्रे ने प्रशिक्षण का संचालन करते हुए आपातकालीन परिस्थितियों में जीवन रक्षक तकनीकों की महत्ता को समझाया। उन्होंने सीपीआर की विस्तृत विधि का व्यवहारिक प्रदर्शन किया। साथ ही यह बताया कि कैसे सांस रुकने या हृदय गति बंद होने जैसी गंभीर स्थितियों में समय रहते सही तरीके से दी गई सहायता किसी व्यक्ति की जान बचा सकती है।

लाल आतंक का अंधेरा छंटा, नक्सलियों के सुरक्षित ठिकाने 'गोगुंडा' में पहली बार जला बल्ब

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सुकमा की दुर्गम वादियों में करीब 650 मीटर की ऊंचाई पर बसा गोगुंडा गांव आज सिर्फ रोशनी से नहीं, बल्कि उम्मीदों से जगमगा उठा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के कुशल नेतृत्व में आजादी के 78 साल बाद, इस पहाड़ी गांव ने पहली बार बिजली के बल्ब की रोशनी देखी है। यह केवल एक तकनीकी सफलता नहीं, बल्कि उन चार दशकों के काले साये की हार है, जिसने इस गांव को विकास की मुख्यधारा से काट रखा था।

कल तक जो गांव सूरज ढलते ही घने जंगलों और नक्सलियों के खौफ के सन्नाटे में डूब जाता था, वहां अब बच्चों की पढ़ाई और खुशियों की गूंज सुनाई दे रही है। ढिबरी (मिट्टी के तेल का दीया) और टॉर्च के सहारे जीवन काटने वाले ग्रामीणों के चेहरे अब अंधेरा ढलने के बाद भी बल्ब की दूधिया रौशनी में चमक रहे है। बिजली ने ग्रामीणों में जीवन के प्रति उत्साह की ऊर्जा भर दी है।

गांव के बुजुर्ग माड़वी सुक्का ने कांपती आवाज में कहा कि हमने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि अपने जीते जी गांव में बिजली देख पाएंगे। आज पहली बार महसूस हो रहा है कि हमारा गांव भी देश के नक्शे पर मौजूद है।

यह ऐतिहासिक बदलाव रातों-रात नहीं आया। इसके पीछे सीआरपीएफ की 74वीं बटालियन, जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन का वह अटूट संकल्प है, जिसने मौत के साये को मात दी। सीआरपीएफ और पुलिस के संयुक्त प्रयासों से कैंप स्थापित हुआ, जिससे नक्सलियों का 'सुरक्षित किला' ढह गया। जहां पहले 5 घंटे पैदल पहाड़ चढ़ना पड़ता था, वहां अब विकास की गाड़ियां पहुंच रही हैं। कैंप बनते ही कलेक्टर श्री अमित कुमार के नेतृत्व में स्कूल, आंगनबाड़ी और राशन दुकान जैसी बुनियादी सुविधाएं युद्ध स्तर पर शुरू की गईं।

कलेक्टर ने बताया कि गोगुंडा में बिजली पहुंचना सामाजिक और आर्थिक बदलाव की शुरुआत है। हमारा लक्ष्य जिले के अंतिम छोर तक बिजली, सड़क, स्वास्थ्य और शिक्षा पहुंचाना है। सुरक्षा और विकास एक-दूसरे के पूरक हैं। गोगुंडा अब सुरक्षित है और यहाँ जल्द ही पुल-पुलियों का जाल बिछेगा।

कमांडेंट 74वीं बटालियन हिमांशु पांडे ने बताया कि नक्सली दंश के कारण यह गांव दशकों पीछे था। कैंप की स्थापना के बाद मिली यह बिजली क्षेत्र में शांति और प्रगति का नया अध्याय लिखेगी। गोगुंडा की यह रोशनी बस्तर के बदलते स्वरूप की कहानी कह रही है।

यह कहानी है उस अदम्य साहस की, जिसने पहाड़ों का सीना चीरकर बिजली के खंभे गाड़े और उन ग्रामीणों की, जिन्होंने दशकों बाद लोकतंत्र पर अपना अटूट विश्वास जताया। अब गोगुंडा का अंधेरा स्थायी रूप से छंट चुका है और अब वहां सिर्फ भविष्य की चमक है।

आईएचजीएफ फेयर में छत्तीसगढ़ी शिल्प की गूंज, कोंडागांव के कलाकारों ने बिखेरा हुनर का जादू

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। नई दिल्ली में आयोजित प्रतिष्ठित आईएचजीएफ फेयर 2026 में इस वर्ष छत्तीसगढ़ के पारंपरिक शिल्प की विशेष झलक देखने को मिली। एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल फॉर हैंडिक्राफ्ट्स द्वारा इंडिया एक्सपो मार्ट नई दिल्ली में आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय मेले में देश-विदेश के हजारों होलसेल खरीदारों और लगभग 3000 से अधिक निर्यातकों की मौजूदगी वाले इस अंतरराष्ट्रीय मेले में कोंडागांव जिले के शिल्पकारों ने अपनी उत्कृष्ट कला का प्रभावशाली प्रदर्शन कर सभी का ध्यान आकर्षित किया। अमेरिका, यूरोप, मध्य-पूर्व और एशियाई देशों से आए बायर्स ने विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया और पसंद आए उत्पादों के लिए मौके पर ही मूल्य निर्धारित कर बड़े ऑर्डर दिए। इससे स्थानीय शिल्पकारों को अंतरराष्ट्रीय बाजार से सीधे जुड़ने का सुनहरा अवसर मिला।

झिटकू मटकी प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, कोंडागांव के माध्यम से जिले के 12 चयनित शिल्पकारों ने अपने हस्तशिल्प उत्पादों को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित किया। कोंडागांव विधायक सुश्री लता उसेंडी और जिला प्रशासन की पहल से इन कलाकारों को यह महत्वपूर्ण अवसर प्राप्त हुआ। मेले में पद्मश्री से सम्मानित शिल्पी पंडी राम मंडावी, धमतरी के काष्ठ शिल्पी उमेश साहू, राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त ढोकरा कलाकार पंचू राम सागर, रामलाल मंडावी, बांस शिल्पी मनमोहन नाग, रॉट आयरन शिल्पी नंदलाल मरकाम, भित्ति चित्रकार सरला यादव और संतोषी यादव सहित अन्य कलाकारों ने अपनी पारंपरिक कलाकृतियों की प्रदर्शनी लगाई। इनके उत्पादों ने विदेशी खरीदारों और आयातकों को विशेष रूप से आकर्षित किया।

धमतरी के काष्ठ शिल्पी उमेश साहू ने इसे अपने जीवन का प्रेरणादायक अनुभव बताते हुए कहा कि इतने बड़े मंच पर विभिन्न देशों के खरीदारों से सीधे संवाद करने का अवसर मिला। इससे यह समझने में मदद मिली कि विदेशी बाजार में किस प्रकार के डिजाइन, फिनिशिंग और पैकेजिंग की मांग रहती है। उन्होंने कहा कि यदि पारंपरिक शिल्प को आधुनिक डिजाइन और अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता के साथ प्रस्तुत किया जाए तो छत्तीसगढ़ की कला विश्व बाजार में अलग पहचान बना सकती है। मेले के दौरान छत्तीसगढ़ शिल्प बोर्ड की अध्यक्ष शालिनी राजपूत ने भी शिल्पकारों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया। केंद्रीय मंत्रियों और अन्य अधिकारियों ने भी प्रदर्शनी का निरीक्षण किया। कलाकारों ने राज्य सरकार की पहल को बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि इससे न केवल उन्हें अपने उत्पादों को वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित करने का अवसर मिला, बल्कि निर्यात प्रक्रिया को समझने का व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त हुआ।

इस आयोजन ने छत्तीसगढ़ के शिल्पकारों के लिए नए अवसरों के द्वार खोल दिए हैं। यह न केवल कला प्रदर्शन का मंच बना, बल्कि वैश्विक बाजार से जुड़ने की दिशा में एक सशक्त कदम भी साबित हुआ। कलाकारों ने विश्वास जताया कि आने वाले समय में राज्य के और भी शिल्पकार अंतरराष्ट्रीय मंच से जुड़ेंगे और छत्तीसगढ़ की समृद्ध हस्तशिल्प परंपरा को विश्व स्तर पर नई पहचान मिलेगी।

खास खबर

कैप्सूल वाहन ने बाइक को मारी टक्कर, एक की मौत

जांजगीर-चांपा। छठी कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे बाइक सवार दादा-पोते को पीछे से आ रहे कैप्सूल वाहन ने जोरदार ठोकर मार दी। हादसे में पोता कैप्सूल वाहन के पिछले चक्के के नीचे आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दादा के हाथ, पैर और पीठ में गंभीर चोटें आई हैं। यह घटना शिवरीनारायण के शबरी पुल के पास स्थित पुराने तहसील कार्यालय के सामने हुई। डोंगाकोहरौद निवासी मोहनलाल दिनकर 60 वर्ष पिता दादूराम दिनकर अपने पोते विवेक दिनकर 12 वर्ष पिता जीवनलाल दिनकर को लेकर अपने हीरो फैशन प्रो बाइक क्रमांक सीजी 11 एएक्स 3548 से डोंगाकोहरौद से परसाडीह छठी कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। ठोकर लगने से मोहनलाल बाइक सहित थोड़ी दूर जा गिरे वहीं उनका पोता विवेक कैप्सूल वाहन के नीचे जा गिरा, जिससे पीछे चक्के में दबकर उसका सर पूरी तरह चकनाचूर हो गया। मौके पर ही मासूम विवेक की दर्दनाक मौत हो गई।

धारदार हथियार लहराकर भय उत्पन्न करने वाला आरोपी गिरफ्तार

भिलाई। सार्वजनिक स्थान पर धारदार हथियार लहराकर लोगों को भयभीत करने की घटना प्रकाश में आयी है। आरोपी को घेराबंदी कर मौके से गिरफ्तार किया गया। सोमवार को थाना सुपेला पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि कोसा नगर स्थित रामलीला मैदान के पास एक युवक अपने हाथ में लोहे का धारदार हथियार लहराकर आने-जाने वाले आम नागरिकों को डरा-धमका रहा है, जिससे क्षेत्र में भय का वातावरण निर्मित हो गया है। आरोपी का कृत्य लोक शांति एवं कानून व्यवस्था के लिए संभावित खतरा उत्पन्न कर रहा था। आरोपी दमन सोनी उर्फ दामु, उम्र 19 वर्ष, निवासी कोसा नगर, भिलाई, थाना सुपेला, जिला दुर्ग निवासी है। मामले में थाना सुपेला के अपराध क्रमांक 307/2026, धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया।

20 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

गरियाबंद। नशे के विरुद्ध नया सवेरा अभियान अंतर्गत गरियाबंद पुलिस द्वारा समस्त थाना प्रभारियों को अवैध नशे के परिवहन एवं बिक्री करने वालों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही एवं रोकथाम के संबंध में निर्देशित किया गया था। एक व्यक्ति के द्वारा अधिक मात्रा में कच्ची महुआ शराब बिक्री करने हेतु अपने घर में रखा हुआ है। जिसकी सूचना पर थाना प्रभारी गरियाबंद द्वारा पुलिस टीम तैयार कर मुखबीर द्वारा बताए सूचना के आधार पर संदेही आरोपी के घर में रेड कार्यवाही कर मौके पर संदेही का नाम पूछने पर अपना नाम जोहत राम कुमार पिता बुधलाल कमार उम्र 25 वर्ष शाकिब भैंसातरा थाना गरियाबंद जिला गरियाबंद का होना बताया। आरोपी के विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाए जाने पर से समक्ष गवाहन के विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

छत्तीसगढ़ में ट्रिपल मर्डर से सनसनी

एक ही परिवार के तीन लोगों की हत्या, पड़ोसी ने किया हमला

श्रीकंचनपथ न्यूज

सारंगढ़। छत्तीसगढ़ के सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में मंगलवार की सुबह ट्रिपल मर्डर से सनसनी फैल गई। आपसी रंजिश में पड़ोसी ने धारदार हथियार से परिवार के लोगों पर हमला कर दिया। जब हमला किया गया तब पूरा परिवार सो रहा था। इसमें एक मासूम सहित तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं दो गंभीर रूप से घायल हैं। घटना के पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला जिले के डोंगरीपाली थाना क्षेत्र के झाल गांव की है।

मिली जानकारी के अनुसार सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के बरमकेला ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत झाल में मंगलवार तड़के यह खौफनाक घटना हुई। तड़के लगभग 4:30 बजे कुंवर साय के परिवार पर धारदार हथियार से हमला किया गया। परिवार के सदस्य गहरी नींद में थे और इस दौरान पड़ोसी ने घर में घुसकर हमला किया। दो लोगों की मौके पर मौत हो गई। एक मासूम बच्चे ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। हमले में दो अन्य गंभीर रूप से घायल हैं जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है दोनो घायलों की हालत भी चिंता जनक है।

इधर इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर आगे की जांच शुरू की गई। हत्या के बाद आरोपी पड़ोसी फरार होने की कोशिश में था लेकिन इससे पहले ही पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। इस खौफनाक घटना से गांव में दहशत का माहौल है। गांववाले हैरान है कि रंजिश में इस तरह की वारदात भी हो सकती है। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

पुरानी रंजिश में हत्या

पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच में हत्या की यह घटना पुरानी रंजिश का परिणाम है। एसपी आज्ञनेय वार्ष्णेय ने बताया कि आरोपी व मृतक के परिवार के बीच कुछ पुराना विवाद चल रहा था। इसके कारण दोनों के बीच आए दिन बहस होती थी। मंगलवार तड़के पड़ोसी ने धारदार हथियार से हमला किया जिससे कुंवर साय के परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। दो गंभीर हैं जिनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने स्थिति का जायजा लिया और क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ा दी है। फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया। आगे की जांच जारी है।

50 किलोग्राम गांजा व नगदी रकम के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शहर के थाना सिविल लाईन पुलिस एवं क्राईम टीम द्वारा गांजा तस्कर के विरुद्ध कार्यवाही की गई है। आरोपियों के विरूद्ध थाना सिविल लाईन में अपराध क्रमांक 88/2026 धारा 20(सी), 29 नारकोटिक एक्ट के तहत कार्यवाही की गई।

मिली जानकारी के अनुसार 14 फरवरी को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुआ था कि थाना सिविल लाइन क्षेत्रांतर्गत केनाल रोड स्थित दुर्गा मंच के पीछे खाली मैदान में एक चारपहिया वाहन में सवार दो व्यक्ति अवैध रूप से गांजा रखकर बिक्री के उद्देश्य से ग्राहक का इंतजार कर रहे है। जिस पर उक्त स्थान में रेड कार्यवाही कर आरोपी हृषिकेश उर्फ ऋषिकेश उर्फ ऋषि सरोज एवं हिमांशु दामले को पकड़कर उनके कब्जे से 50 किलोग्राम गांजा एवं नगदी रकम 02 लाख रूपये जप्त कर अग्रिम कार्यवाही किया गया था। प्रकरण में गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ तथा फॉरवर्ड एवं बैकवर्ड लिंकेजेस के आधार पर अन्य संलिप्त आरोपियों की पतासाजी की जा रही थी। इसी क्रम में प्रकरण में संलिप्त पैडलर राजकिशोर बेहरा उर्फ मिलन के संबंध में इनपुट प्राप्त हुआ। जिस पर आरोपी राजकिशोर बेहरा उर्फ मिलन को उड़ीसा से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 02 नग मोबाइल फोन जप्त कर अग्रिम कार्यवाही किया गया है।

गिरफ्तार आरोपी का नाम

राजकिशोर बेहरा उर्फ मिलन पिता संतोष बेहरा उम्र 31 साल पता ग्राम बालीगुड़ा, शासकीय प्राथमिक स्कूल के सामने, थाना बालीगुड़ा, जिला फुलवानी उड़ीसा।

रायपुर रिंग रोड पर दो भीषण हादसे एक की मौत, एक गंभीर घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के रिंग रोड नंबर-1 पर सोमवार का दिन हादसों से भरा रहा। अलग-अलग स्थानों पर हुए दो सड़क दुर्घटनाओं में एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया।

पहली घटना राजेंद्र नगर स्थित कटरा तालाब टर्निंग के पास फ्लाईओवर से पहले हुई, जहां तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूटी सवार को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में घायल युवक को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज जारी है।

वहीं दूसरी घटना काशीराम नगर के सामने रिंग रोड पर हुई। टाटीबंध से तेलीबांधा की ओर जा रहे तेलंगाना पासिंग ट्रक ने एक व्यक्ति को कुचल दिया। हादसे के बाद ट्रक डिवाइडर पर चढ़ गया। सूचना मिलते ही रायपुर यातायात पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। मृतक का शव ट्रक के नीचे बुरी तरह फंसा मिला, जिसे काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया। हादसा इतना भयावह था कि मृतक का चेहरा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे उसकी पहचान अब तक नहीं हो सकी है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है और मृतक की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ की ब्यूटिशियन से रेप, आरोपी बहनें भोपाल से पकड़ाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

मुंगेली। छत्तीसगढ़ की मुंगेली जिले की रहने वाली एक ब्यूटिशियन और उसकी सहेली मध्यप्रदेश के हाईप्रोफाइल धर्मांतरण का शिकार हुई है। थाने में शिकायत के बाद पुलिस ने भोपाल से 2 बहनों को गिरफ्तार किया है। जो अमीर लड़कों को लड़कियों की सप्लाई करती थी और धर्मांतरण कराती थी।

आरोपी बहनों को इस काम से जो काली कमाई हुई, उसके बूते वे भोपाल के अब्बास नगर की झुग्गी से निकलकर आशिमा मॉल के पास स्थित सागर रॉयल विला में आलीशान घर तक पहुंच गईं। अमरीन और आफरीन नाम की ये बहनें लग्जरी लाइफ स्टाइल जीती थीं। छत्तीसगढ़ की ब्यूटीशियन इनके जाल में फंस गई थी। जहां उससे डरा धमकाकर अलग-अलग लड़कों से रेप करवाया गया, फिर धर्म बदलने का दबाव बनाया गया। पीड़िता की शिकायत के बाद मामले का खुलासा हुआ।

मामले का खुलासा तब हुआ, जब रविवार (22 फरवरी) रात को भोपाल और छत्तीसगढ़ की रहने वाली दो युवतियां राजधानी भोपाल के बाग सेवनिया थाने पहुंच गईं। दोनों ने थाने में अलग-अलग शिकायत दर्ज कराई। 21 और 32 साल की दोनों लड़कियों की आपसी पहचान इंस्टाग्राम चैट के जरिए हुई थी। पुलिस ने तत्काल एक्शन लिया। अमरीन और आफरीन ने पुलिस को बताया कि वे गरीब घरों की लड़कियों को टारगेट करती थीं। पहले मदद के नाम पर घरेलू काम के लिए रखती थीं। फिर हाई प्रोफाइल लाइफ स्टाइल का सपना दिखाकर बड़ी पार्टीज में ले जाती थीं। वहां उन्हें रईसजादों के आगे परोस दिया करती थीं। पीड़िताओं ने FIR में बताया है कि चंदन यादव सागर रॉयल विला में अमरीन-आफरीन के साथ रहता है। वह दोनों बहनों के संपर्क में आने के बाद इस्लाम अपना चुका है। दोनों पीड़िताओं को गुजरात और मुंबई ले गई थीं। वहां भी उन्होंने अनजान लोगों के साथ संबंध बनाने के लिए मजबूर किया। वे शराब पीने और एमडी ड्रग्स लेने के लिए भी दबाव डालती थीं।

पुलिस ने अमरीन, आफरीन और चंदन के मोबाइल फोन जब्त कर लिए हैं। इनकी जांच कराई जाएगी। अमरीन के मोबाइल में कई संदिग्ध वॉट्सएप ग्रुप मिले हैं। उसमें कई युवतियों के फोटो भी हैं। पुलिस को अमरीन और आफरीन के देह व्यापार गिरोह से जुड़े होने के भी सबूत मिले हैं। उनके गिरोह में चंदन यादव के अलावा बिलाल और यासिर भी काम करते थे। दोनों पीड़िताओं से तीनों युवक कई बार रेप कर चुके। वे किसी को भी वारदात के बारे में बताने पर बदनाम करने की धमकी देते थे। भोपाल की रहने वाली पीड़िता ने पुलिस को बताया- मैं अमरीन के घर काम करती थी। एक दिन चंदन और अमरीन के बीच विवाद हो गया। चंदन नाराज होकर कहीं चला गया। अमरीन ने मुझे कहा कि चंदन को तलाशने चलना है। मैं उसके साथ चली गई। हम दोनों नारायण नगर में रहने वाली चंदन की बहन के घर पहुंचे। वहां चंदन मिला। कुछ देर बाद अमरीन कहीं चली गई। पीड़िताओं ने बताया कि जब हमने अमरीन के पास से काम छोड़ने की बात कही तो उसने धमकी दी कि किसी को हमारे संबंध में कुछ मत बताना। कभी मुंह खोलने की हिमाकत मत करना। हमारे संबंध कई बड़े लोगों से हैं। हमारे खिलाफ कभी भी कोई बात सुनने को मिली तो जान से हाथ तक धोना पड़ सकता है।

2 ट्रकों में आमने-सामने भिड़ंत, एक ड्राइवर जिंदा जला

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा में मंगलवार सुबह नेशनल हाईवे पर कोयले से लदे ट्रेलर और सीमेंट से भरे ट्रक की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर के बाद दोनों वाहनों में आग लग गई। हादसे में ट्रक ड्राइवर की केबिन में फंसने से जिंदा जलकर मौत हो गई।

घटना मोरगा पुलिस चौकी क्षेत्र के केंदई झरना के पास की है। जानकारी के मुताबिक, हादसा सुबह करीब 8 बजे हुआ। कोयला लोड ट्रेलर कोरबा से आ रहा था। सीमेंट से भरा ट्रक अंबिकापुर की तरफ से आ रहा था। दोनों वाहनों की रफ्तार तेज थी। मोड़ पर संतुलन बिगड़ने से टक्कर हो गई। टक्कर के बाद कोयला लदे ट्रेलर का चालक वाहन से कूदकर बाहर निकल गया। सीमेंट वाहन का चालक केबिन में फंस गया। आग तेजी से फैल गई। मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही मोरगा चौकी प्रभारी मंगतूराम मरकाम स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे। दमकल विभाग को सूचना दी गई। दमकल वाहन कटघोरा से आता है, इसलिए घटनास्थल तक पहुंचने में कई घंटे लग गए।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह राष्ट्रीय राजमार्ग है। यहां अक्सर सड़क हादसे होते रहते हैं। लोगों ने मांग की है कि मोरगा चौकी या टोल नाका पर दमकल वाहन की स्थायी व्यवस्था की जाए, ताकि आपात स्थिति में तुरंत राहत मिल सके।

एक और वाहन खराब हालत में खड़ा

हादसे वाली जगह से कुछ दूरी पर एक अन्य वाहन खराब हालत में सड़क पर खड़ा था। इससे आवाजाही प्रभावित हो रही थी। राहत की बात रही कि वह वाहन आग की चपेट में नहीं आया।

मोरगा चौकी प्रभारी मंगतूराम मरकाम ने एक व्यक्ति की मौत की पुष्टि की। वाहन मालिक को सूचना दे दी गई है। मामले की जांच जारी है।

मोर-बिजली ऐप अपडेट करने का झांसा देकर 5 लाख की ठगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में बिजली काटने और मोर बिजली ऐप अपडेट करने का झांसा देकर युवक से करीब 5 लाख की ऑनलाइन ठगी की गई है। शिकायत पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। मामला आजाद चौक थाना क्षेत्र का है।

दरअसल, आजाद चौक निवासी करण कुमार देवांगन ने पुलिस को बताया कि, उसके मोबाइल पर 22 फरवरी को एक कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को बिजली विभाग का कर्मचारी बताते हुए कहा कि, उनका मोर बिजली ऐप अपडेट नहीं है।

जिस कारण उनकी बिजली सप्लाई बंद हो सकती है। आरोपी ने भरोसे में लेकर ऐप अपडेट करने के लिए ओटीपी मंगवाया। कुछ ही देर में करण के मोबाइल पर ओटीपी आया। जिसे उन्होंने कॉलर को बता दिया।

ओटीपी मिलते ही खाते से उड़ाए पैसे

ओटीपी मिलते ही ठगों ने करण के बैंक खाते से किश्तों में 4 लाख 95 हजार रुपए निकाल लिए। जब खाते से पैसे कटने के मैसेज आने लगे, तब पीड़ित को ठगी का अहसास हुआ। उसने तुरंत बैंक से संपर्क कर खाते को फ्रीज कराया और आजाद चौक थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने ठगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

खेत में सिंचाई के पानी को लेकर किसान की हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में शनिवार को खेत में सिंचाई के पानी को लेकर किसान की हत्या कर दी गई। धारदार हथियार से सिर और गर्दन पर ताबड़तोड़ वार कर मार डाला, फिर लाश को खेत में फेंक दिया। इस मामले में पुलिस ने सोमवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

मामला रानीतराई थाना क्षेत्र के ग्राम केंवरा का है। जानकारी के मुताबिक, किसान का नाम अमर सिंह साहू है। जबकि आरोपी का नाम मोहन लाल सिन्हा (48) है, वह भी किसान है। दोनों के खेत आसपास हैं। 21 फरवरी को दोनों किसानों के बीच सिंचाई के पानी को लेकर विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर गुस्साए मोहन लाल ने धारदार हथियार से अमर सिंह पर हमला कर दिया। जिससे उसकी जान चली गई। वारदात के बाद आरोपी लाश को अमर के ही खेत में फेंककर भाग निकला।

पूछताछ और जांच के आधार पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया। पूछताछ में जुर्म स्वीकारने के बाद उसे कोर्ट में पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। दरअसल, अमर सिंह साहू ने विवाद हो गया। अमर को अकेला पाकर मोहन ने धारदार हथियार से वार कर दिया। जिससे अमर की मौत हो गई। शव का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच तेज की।

घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने, ग्रामीणों से पूछताछ और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर पुलिस ने संदेह के घेरे में आए मोहन लाल सिन्हा को हिरासत में लिया। कड़ी पूछताछ में उसने हत्या करना स्वीकार कर लिया।

इस मामले में रानीतराई थाना पुलिस ने आरोपी किसान के खिलाफ हत्या की धाराओं में मामला दर्ज किया है। सोमवार को उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

लकड़ियां बेचने निकले बुजुर्ग की गिरने से मौत

जशपुरनगर। जशपुर जिले के फरसाबहार विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत सीमाबारी में सोमवार सुबह एक हादसा हो गया। 60 वर्षीय पहाड़ी कोरवा वृद्ध की रास्ते में गिर जाने से मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान साहस राम के रूप में हुई है, जो विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय से थे। साहस राम सोमवार सुबह लगभग 11 बजे सूखी लकड़ियां बेचने के लिए घर से निकले थे। गांव के रास्ते से गुजरते समय अचानक उनका संतुलन बिगड़ गया और वे अनियंत्रित होकर मुंह के बल जमीन पर जा गिरे। रास्ता पथरीला होने के कारण उनके सिर के अगले हिस्से में गहरा घाव हो गया। चोट इतनी गंभीर थी कि कुछ ही मिनटों में दम तोड़ दिया।

जमीन के नाम पर 13 लाख की ठगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में जमीन बिक्री के नाम पर 13 लाख रुपए की ठगी करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी ने खुद को जमीन का मालिक बताकर सौदा तय किया और किश्तों में मोटी रकम ऐंठ ली। जब पीड़ित रजिस्ट्री कराने पहुंचा तो पता चला कि जमीन पहले ही किसी और के नाम दर्ज है। पुलिस ने सोमवार को आरोपी को कोर्ट में पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। मामला छावनी थाना क्षेत्र के ग्राम जंजगिरी का है।

पुलिस के मुताबिक, 23 फरवरी को शिकायतकर्ता ने थाने में लिखित शिकायत दी। उसने बताया कि साल 2024 में आरोपी जगजीत उर्फकरण सिंह (32) ने ग्राम जंजगिरी स्थित जमीन को अपनी बताकर बेचने का सौदा किया था। रजिस्ट्री कराने का भरोसा दिलाते हुए आरोपी ने अलग-अलग किश्तों में कुल 13 लाख रुपए ले लिए।

लेकिन बाद में जानकारी मिली कि जमीन किसी दूसरे व्यक्ति के नाम पंजीकृत है। जिसके बाद आरोपी पैसे नहीं लौटाए। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू की। इस दौरान दस्तावेजों की जांच, बैंक लेन-देन और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की भूमिका स्पष्ट हुई।

सोमवार शाम पुलिस ने मंडल टाउन, नेहरू नगर के रहने वाले जगजीत उर्फ करण सिंह को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के पास से पंजाब नेशनल बैंक के 5 साइन किए हुए चेक बरामद किए हैं। इसके अलावा जमीन की बिक्री से जुड़े कुछ दस्तावेजों की फोटोकॉपी भी पुलिस ने जब्त की है।

प्रारंभिक जांच में पुलिस ने इस बात की पुष्टि की है कि आरोपी ने जान-पहचान का फायदा उठाकर पीड़ित को झांसे में लिया और उसे दूसरे की जमीन को अपना बताकर पैसे ले लिए। आरोपी ने पीड़ित का भरोसा जीतकर रकम हासिल की और पैसे को निजी उपयोग में खर्च कर दी।

गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया। कोर्ट ने सुनवाई के बाद आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि आरोपी ने इसी तरह किसी और व्यक्ति को तो शिकार नहीं बनाया। मामले में पुलिस की आगे की जांच जारी है।

स्कूल के सामने पेड़ पर लटका मिला युवक का शव

गरियाबंद। जिले में सोमवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जब लोगों ने एक युवक का शव स्कूल के सामने फांसी के फंदे पर लटका देखा। यह मामला फिंगेश्वर थाना क्षेत्र के जामगांव हाई स्कूल के पास का है, जहां सुबह-सुबह शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया।

मृतक की पहचान पिथौरा के गोपापुर निवासी दुलीचंद दीवान के रूप में की गई है। स्थानीय लोगों की सूचना पर फिंगेश्वर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। प्राथमिक जांच में आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है। लोग इस घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं कर रहे हैं।

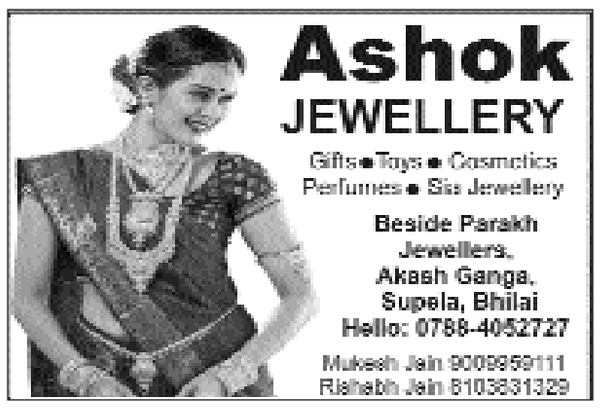

खास खबर

कुदमुरा में दंतैल की दस्तक, वन विभाग ने किया सर्तक

कोरबा। जिले के कुदमुरा वन परिक्षेत्र में एक बार फिर दंतैल हाथी के दस्तक से हड़कंप मच गया है। बीती रात धरमजयगढ़ वन परिक्षेत्र के हाटी क्षेत्र से अचानक धमके दंतैल की सूचना मिलते ही वन विभाग अलर्ट हो गया है और दंतैल की मौजूदगी वाले जंगल के कक्ष क्रमांक 1139 के आसपास स्थित गांवों में मुनादी कराकर ग्रामीणों को सतर्क करने का अभियान शुरू कर दिया है।

12.45 मीटर भाला फेंक कर नीलिमा ने जीता स्वर्ण पदक

कोरबा। 45वीं राष्ट्रीय मास्टर्स एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में कोरबा की प्रतिभागी नीलिमा दास ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए भाला फेंक (जेवेलिन थ्रो) स्पर्धा में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उन्होंने 65 प्लस आयु वर्ग में 12. 45 मीटर तक भाला फेंक कर अग्रणी स्थान बनाया। 65 वर्ष आयु वर्ग में महिलाओं की जेवेलिन स्पर्धा में नीलिमा दास ने सर्वाधिक दूरी तय की। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें प्रमाण-पत्र एवं स्वर्ण पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया।

एमिटी यूनिवर्सिटी में चतुर्थ दीक्षांत समारोह 27 को

रायपुर। एमिटी यूनिवर्सिटी छत्तीसगढ़ अपने शैक्षणिक सत्र 2025 के विद्यार्थियों के लिए चतुर्थ दीक्षांत समारोह का आयोजन 27 फरवरी को सुबह 10 बजे पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित कर रही है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका होंगे जबकि अध्यक्षता डॉ. अशोक के चौहान संस्थापक अध्यक्ष एमिटी एजुकेशन ग्रुप करेंगे। दीक्षांत समारोह के दौरान कुल 816 स्नातकों को उपाधियां प्रदान की जाएंगी जिनमें 675 स्नातक, 125 स्नातकोत्तर तथा 16 पीएचडी धारकों को उपाधियां प्रदान की जाएंगी।

शांति सरोवर में स्नेह सम्मेलन : मुख्यमंत्री सहित विधानसभा के सदस्यों ने लिया ब्रह्माभोजन का आनंद

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज नया रायपुर स्थित शांति सरोवर में छत्तीसगढ़ विधानसभा के सम्मानित सदस्यों के लिए प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित स्नेह मिलन एवं ब्रह्मा भोजन कार्यक्रम में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने ब्रह्माकुमारी बहनों के स्नेह, आत्मीयता और सेवा भाव की सराहना करते हुए कहा कि बहनों के प्रेम और आदर से हम सब अभिभूत हैं। हर वर्ष बड़े स्नेह के साथ विधानसभा के सदस्यों के लिए ब्रह्मा भोजन का आयोजन एक सुंदर और प्रेरणादायी परंपरा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रजापिता ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा समाज में नैतिक मूल्यों, आध्यात्मिक जागरूकता और आत्मिक शांति के प्रसार की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। शांति सरोवर और शांति शिखर जैसे आध्यात्मिक केंद्रों में सदैव सकारात्मक ऊर्जा और आत्मिक शांति की अनुभूति होती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय अनेक जनकल्याणकारी गतिविधियों के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों में जनजागृति लाने का कार्य कर रहा है। महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाने में संस्था की भूमिका उल्लेखनीय है। जनजातीय क्षेत्रों में भी संस्था द्वारा सामाजिक और आर्थिक उत्थान के लिए किए जा रहे प्रयासों से स्थानीय लोगों को व्यापक लाभ मिला है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ब्रह्माकुमारी बहनों के अतिथि बने और पवित्र ब्रह्मा भोजन ग्रहण किया। कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत सहित कैबिनेट मंत्रीगण और सभी विधायकगणों ने भी ब्रह्मा भोजन का आनंद लिया।

कार्यक्रम में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की बहनों ने मुख्यमंत्री एवं विधानसभा के सभी सदस्यों को माउंट आबू आने का आग्रह किया, जिसे मुख्यमंत्री श्री साय ने सहर्ष स्वीकार करते हुए वहां आने की सहमति दी।

संत गाडगे बाबा ने दिया 'स्वच्छता ही सच्ची पूजा' का संदेश, हम उनके बताए मार्ग पर चल रहे : साय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में राष्ट्र संत शिरोमणि गाडगे बाबा की 150वीं जयंती पर आयोजित निर्मल दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हम सभी ऐसे महान संत का स्मरण कर रहे हैं, जिन्होंने अपने जीवन और कर्मों से समाज को स्वच्छता, सेवा और सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि संत गाडगे बाबा ने 'स्वच्छता ही सच्ची पूजा' का जो संदेश दिया, वह आज भी उतना ही प्रासंगिक और प्रेरणादायक है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि संत गाडगे बाबा की स्वच्छता की प्रेरणा से उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ किए गए स्वच्छ भारत अभियान का स्मरण हो गया। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त 2014 को लाल किले से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत की और आज

स्वच्छता जनआंदोलन बन चुकी है। उन्होंने कहा कि यह संत गाडगे बाबा के विचारों का ही प्रभाव है कि देश में स्वच्छता के प्रति व्यापक जागरूकता आई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान ने विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में हमारी माताओं-बहनों को सम्मान दिलाने का कार्य किया है। देशभर में शौचालयों के निर्माण से उनकी गरिमा और सुरक्षा सुनिश्चित हुई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गरीबों के उत्थान के लिए अनेक ऐतिहासिक योजनाएँ शुरू की गईं, जिनमें प्रधानमंत्री आवास योजना और प्रधानमंत्री जनधन योजना जैसी पहलें शामिल हैं। आज सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे हितग्राहियों के बैंक खातों तक पहुँच रहा है, जिससे पारदर्शिता और विश्वास दोनों बढ़े हैं।

श्री साय ने कहा कि देश आर्थिक रूप से निरंतर मजबूत हो रहा है और हम सभी विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के साथ-साथ विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण भी हमारा संकल्प है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि समाज के हर वर्ग का सम्मान बढ़े और सभी समुदाय विकास की मुख्यधारा से जुड़ें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा ही विकास का मूलमंत्र है। शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त कर नौकरी हासिल करने का माध्यम नहीं, बल्कि सफल और संस्कारित जीवन जीने की आधारशिला है। उन्होंने समाज से अपील करते हुए कहा कि सभी बच्चों को शिक्षा से जोड़ना हम सबकी जिम्मेदारी है। साथ ही उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रखने और समाज में नशामुक्त वातावरण बनाने के लिए सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने संत गाडगे बाबा के जीवन पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा उनकी आरती एवं स्मारिका का विमोचन किया। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभावान बच्चों और समाज के उत्कृष्ट व्यक्तियों को सम्मानित भी किया।

कार्यक्रम को विधायक सुनील सोनी, विधायक मोतीलाल साहू तथा पद्मश्री पंडित रामलाल बरेठ ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर संत गाडगे बाबा के वंशज भी मंच पर उपस्थित थे।

कार्यक्रम में तुलसी कौशिक, घनश्याम चौधरी, रजनी रजक, विनय निर्मलकर सहित छत्तीसगढ़ रजक समाज के पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

कोंडागांव के 96 गांवों तक पहुंची मुख्यमंत्री ग्रामीण बस

श्रीकंचनपथ समाचार

कोंडागांव। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के तहत ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में आवागमन सुदृढ़ करने सोमवार को जिला कार्यालय परिसर से तीन बसें रवाना हुईं। नगरपालिका के अध्यक्ष नरपति पटेल और कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने इन बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके साथ ही जिले में मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के तहत सात बसों का संचालन प्रारंभ हो गया।

पूर्व में जिले में कोंडागांव-मर्दापाल, बहीगांव-विश्रामपुरी, कोंडागांव-कमेला एवं छत्तोड़ी-कोंडागांव मार्ग पर बस सेवा प्रारंभ की जा चुकी है। 23 फरवरी से तीन नवीन मार्ग कोनगुड़-फरसगांव, भैंसाबेड़ा-केशकाल तथा कनपुर-कोंडागांव पर भी संचालन प्रारंभ किया गया। इस प्रकार कुल सात बसों के माध्यम से जिले के 96 गांवों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री का विजन है कि दूरस्थ अंचलों में रहने वाले नागरिकों को भी शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और प्रशासनिक सेवाओं तक समान रूप से पहुंच मिले।

मार्गवार लाभान्वित गांवों की संख्या इस प्रकार है। कोंडागांव - मर्दापाल मार्ग -22 गांव, बहीगांव -विश्रामपुरी मार्ग -12 गांव, कोंडागांव-कमेला मार्ग 6 गांव), छत्तोड़ी-कोंडागांव मार्ग -17 गांव, कोनगुड़ से फरसगांव मार्ग पर 11 गांव, भैंसाबेड़ा से केशकाल मार्ग पर 18 गांव, कनपुर से कोंडागांव मार्ग पर 10 गांव शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना से सामाजिक, शैक्षणिक एवं आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी। इस योजना के लागू होने से विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा हेतु जिला मुख्यालय तक पहुंचने में सुविधा होगी।

विश्व चिंतन दिवस के 100 साल, एकता का संदेश

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। भारत स्काउट एवं गाइड्स जिला संघ बिलासपुर द्वारा विश्व चिंतन दिवस के 100 वर्ष पूर्ण होने पर एक गरिमामय एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम ओल्ड कंपोजिट बिल्डिंग, डीईओ कार्यालय स्थित स्काउट विभाग कक्ष क्रमांक-16 के प्रांगण में संपन्न हुआ, जिसमें राज्य एवं जिला स्तर के पदाधिकारियों सहित जिले भर के स्काउट-गाइड, रोवर्स और रेंजर्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वधर्म प्रार्थना के साथ हुआ। प्रार्थना के माध्यम से सर्वधर्म समभाव, अनुशासन, सेवा और भाईचारे का संदेश दिया गया, जो स्काउट-गाइड आंदोलन की मूल भावना को दर्शाता है। इसके बाद कक्ष क्रमांक-6 स्थित सभा हॉल में मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया

गया, जहां सभी सदस्य एकत्रित हुए। विश्व चिंतन दिवस के उपलक्ष्य में स्काउट, गाइड, रोवर्स एवं रेंजर्स द्वारा तैयार स्लोगन, पोस्टर और बैनरों का प्रदर्शन एवं मूल्यांकन किया गया। प्रतिभागियों ने विश्व शांति, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, सेवा और महिला सशक्तिकरण जैसे विषयों पर रचनात्मक प्रस्तुतियाँ दीं। उत्कृष्ट प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस परेड, राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं तथा विभिन्न सामाजिक एवं शैक्षणिक कार्यक्रमों में सक्रिय सेवा देने वाले स्काउट-गाइड, रोवर्स एवं रेंजर्स को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संयुक्त राज्य सचिव बीना यादव, अध्यक्षता पदेन जिला आयुक्त (गाइड) सुनीता ध्रुव ने की। विशिष्ट अतिथियों में सहायक राज्य आयुक्त स्काउट विजय कुमार यादव, भूपेंद्र शर्मा तथा सहायक राज्य आयुक्त गाइड डॉ. भारती दुबे उपस्थित रहे। इसके अलावा जिला संघ के अनेक पदाधिकारी, स्काउटर-गाइडर एवं सदस्य भी बड़ी संख्या में मौजूद थे।

समापन अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि विश्व चिंतन दिवस केवल उत्सव नहीं, बल्कि आत्ममंथन और सेवा भावना को सुदृढ़ करने का अवसर है। उन्होंने संगठन के सिद्धांतों का पालन करते हुए समाज सेवा में निरंतर सक्रिय रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम अनुशासन, उत्साह और संगठनात्मक एकता का उत्कृष्ट उदाहरण रहा तथा शताब्दी वर्ष का यह आयोजन स्काउट-गाइड आंदोलन के प्रति समर्पण और सेवा भावना को और मजबूत करने वाला सिद्ध हुआ।

पराली जलाने पर पूर्ण प्रतिबंध, वैज्ञानिक विकल्प अपनाने की अपील

कवर्धा। जिला कबीरधाम के कृषि विभाग ने समस्त कृषक बंधुओं से खेतों में पराली न जलाने की अपील की है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि फसल कटाई के बाद पराली जलाना पूर्णत: प्रतिबंधित है और यह पर्यावरण व मानव स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक है। पराली जलाने से वायु प्रदूषण में वृद्धि होती है, मृदा की उर्वरता घटती है तथा खेतों में मौजूद लाभकारी सूक्ष्म जीव नष्ट हो जाते हैं। आग लगने की घटनाओं का खतरा भी बढ़ जाता है। इन दुष्प्रभावों को देखते हुए किसानों से इस प्रथा को पूरी तरह त्यागने का आग्रह किया गया है। फसल अवशेष प्रबंधन के वैज्ञानिक विकल्प अपनाने की सलाह दी है। हैप्पी सीडर एवं सुपर स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम जैसे कृषि यंत्रों का उपयोग, अवशेषों से वर्मी कम्पोस्ट बनाना, मल्चिंग तथा पशु आहार के रूप में उपयोग शामिल है।

जशपुर की अमराइयों में बौरों की बहार, रिकॉर्ड उत्पादन की उम्मीद

जशपुर। जिले की अमराइयों में इन दिनों आम के बौरों की सुगंध वातावरण को महका रही है। मंजरियाँ सघन एवं स्वस्थ दिखाई दे रही हैं। दशहरी, लंगड़ा, चौसा एवं आम्रपाली के पेड़ फूलों से आच्छादित हैं। 5 हजार 410 हेक्टेयर क्षेत्र में आम की खेती की जा रही है। सहायक संचालक उद्यान ने बताया कि अनुकूल मौसम एवं वैज्ञानिक प्रबंधन अपनाने पर उत्पादन में 20 से 30 प्रतिशत तक वृद्धि संभव है। जशपुर का आम अन्य राज्यों में भी भेजा जाता है। उद्यानिकी विभाग ने बौर अवस्था में सिंचाई रोकने, फूल खिलने पर कीटनाशक का छिड़काव न करने तथा कीट-रोग नियंत्रण हेतु दवाओं के उपयोग की सलाह दी है।

छत्तीसगढ़ में फिल्म टूरिज्म को बढ़ावा देने हो रहे प्रयास

'फिल्म पॉलिसी' पर छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड की बैठक, सिनेमा घर और उपकरणों पर सब्सिडी की योजना

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष सुश्री मोना सेन की अध्यक्षता में आज फिल्म पॉलिसी को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य राज्य की फिल्म नीति के विभिन्न प्रावधानों की विस्तृत जानकारी देना तथा फिल्म उद्योग से जुड़े हितधारकों के साथ सीधा संवाद स्थापित करना था।

बैठक में हिंदी फिल्मों, क्षेत्रीय भाषा की फिल्मों एवं ओटीटी फिल्मों सहित सभी श्रेणियों के लिए उपलब्ध सब्सिडी योजनाओं पर विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही सिनेमा घरों के निर्माण पर मिलने वाली सब्सिडी, फिल्म शूटिंग उपकरणों की खरीदी पर अनुदान तथा सिनेमा घरों के मरम्मत कार्यों पर उपलब्ध वित्तीय सहायता के विषय में भी विस्तृत प्रस्तुतीकरण किया गया।

संस्कृति विभाग के निदेशक एवं टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक विवेक आचार्य ने सब्सिडी प्राप्त

करने की प्रक्रिया, पात्रता मानदंड, आवेदन की समय-सीमा तथा आवश्यक औपचारिकताओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से पात्र हितग्राहियों को निर्धारित शर्तों के अनुसार लाभ प्रदान किया जाएगा।

बैठक के दौरान उपस्थित निर्माताओं एवं फिल्मकारों ने जमीनी स्तर पर आ रही व्यावहारिक समस्याओं से अधिकारियों को अवगत कराया। इन मुद्दों पर सार्थक और सकारात्मक चर्चा हुई।

प्रतिभागियों ने कहा कि पहली बार फिल्म पॉलिसी पर इस प्रकार विस्तृत और पारदर्शी संवाद आयोजित किया गया है, जिससे फिल्म उद्योग जगत में विश्वास और उत्साह का वातावरण बना है।

श्री विवेक आचार्य ने राज्य में विकसित की जा रही फिल्म सिटी की जानकारी देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में फिल्म टूरिज्म की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में राज्य फिल्म निर्माण और फिल्म पर्यटन का एक प्रमुख केंद्र बनकर उभरेगा।

बैठक में प्रेमचंद्राकर, भूपेंद्र साहू, मोहित साहू, अनुज शर्मा, मोहन सुंदरानी, लखी सुंदरानी, मनोज वर्मा, राज वर्मा, सतीश जैन, रॉकी दसवानी, अनुपम वर्मा, गायत्री केशरवानी, संतोष जैन, अनुमोद राजवैद्य, प्रकाश अवस्थी, अरिहंत फिल्म्स, गजेंद्र श्रीवास्तव, चकोर फिल्म्स, राजन दादा, अलख राय, मनीष मानिकपुरी एवं अशोक तिवारी सहित अनेक फिल्म निर्माता एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बैठक सकारात्मक वातावरण में संपन्न हुआ। हितधारकों ने राज्य में फिल्म उद्योग के विकास के लिए सहयोग और समन्वय के साथ आगे बढ़ने का संकल्प लिया।

मुख्यमंत्री से आईएएस में नियुक्त हुए अधिकारियों ने की सौजन्य भेंट

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आज विधानसभा स्थित उनके कार्यालय कक्ष में राज्य प्रशासनिक सेवा तथा एलाइड सर्विस से भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) में नियुक्त अधिकारियों ने सौजन्य मुलाकात की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी अधिकारियों को नई जिम्मेदारी मिलने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि भारतीय प्रशासनिक सेवा में नियुक्ति न केवल गौरव का विषय है, बल्कि यह जनसेवा के व्यापक अवसरों और जिम्मेदारियों का भी प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे अपने दायित्वों का निष्ठा, पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि शासन की लोककल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। अधिकारियों की सक्रिय भूमिका से प्रदेश के विकास को नई गति मिलेगी।

इस अवसर पर भारतीय प्रशासनिक सेवा में नियुक्त तीर्थराज अग्रवाल, लीना कोसम, बीरेंद्र बहादुर पंचभाई, सुमित अग्रवाल, संदीप कुमार अग्रवाल, आशीष कुमार टिकरिहा, ऋषभ पाराशर एवं तरुण किरण उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950